





१ प्रियत्वं गमयत्युनभा कविर्गङ्गा वसु कस्या दिना कं राजयल्लघुमस्तु कथय विवृडात्मा वलवाननलरुदा ॥ सुर्वरिष्यन्त कालं व. कविषाया कथं वनानदिनस्य दिनेय
 कं मायुष्य वासुखाय वा ॥ लेखने संदने कालं यवाशुकि क्को वसय वा च नाचयियका नी दा वा क्षीन वृक्ष कथं ॥ आसफ वा न व. क्षी. क्वमादु मनी बिलक्षम ध्वं यदुदित
 हनु युवाधमनरु व ॥ यावने समनी यम्बा कथार्य यायथरु गम कविर्गव
 समने उर्द्ध सा भ ना यधमा व व ॥ ला ला पु क्ष कुरु क्षा स रु द या सु डि ना
 क्व व म क्षाम क्व व स्थ लि क्षा नि न द या नु नु रं य र्ज ॥ रं य र्ज क्षाम दाय स्थ र
 व द य न नो य ध ॥ ना ग र्ज द व का र्ज व ध न्य के वृ रु गी द य ॥ द या त्या व न
 नक्ष न यि व दो य ध ज नु सै क्ष ध न म थ व र ॥ वी र्था धि के रु व नि रं य र्ज म न्न क्षी न ॥ रु च्या रु दाम य म स ल य मा रु य व ॥ न दाल वृ ड य व नी मु द रि ध यी नं अनिय वी न य नि
 वा सु व ली क य के ॥ क नू ली मा नि ली स्वा र्क्ष कुरु क्षा स म न रु गी ल य त मि उ या न्ना र सु डि जी क्षे य ध रु नि क्षा क्क मा द द क्ष स व नी रु मा मू क्षा नि वा र्जा ॥ ल गि र ल रु नि ध
 क नू वा न न ती १२ वा ना ती २ ता न य व २ म रु द र्ज ती २ नि लो रु था मा सा ध नि मू का पा त का न म ती १२ ति नु न २ य ति न उ क द क्षा उ नि का र्जु

२

क्षवक्षो यध रु निक्ष ॥ आवध क्ष व रु के यी र्ज व न थो य य क्ष व ॥ न क वा नि म दाय ल म य का य य ल च्चा वा गै थ ॥ क्षा र्क्ष वि यां क म नू या नि व ली दि ने स्था द च्चा वृ र्ज न व म
 रु व दि ना नि व नि ॥ या रु क क्ष वि रु म थो य ध म न द व द या च वृ ड वि रु री व व ना क्ष ना त्य ॥ मा ना या ना स्था व स नं दा य म गि व ली व य म थ धि ड वी व का र्ज व वी क्क मा
 गी य या ड य क्षा उ रु म स य ली मा गी वि रि व के ध म थ म ॥ उं य च य स य ल
 उ र्वा या व लो य म रु सु र्ज रु व र ॥ क्षा थ ड य य ली क य नि य रु ड य
 रु स रु मा स क क्षा द द क्षा र्क्षि र्जि न्मा ये र्क्ष रु य क्षा रु र्ज य ली ॥ न रु च रु
 य ल व रु य क्षा य रु व रु रु थ नि र्ज ॥ न स्या त्य ली व रु य क्षा मा य के र्क्ष
 का थ र्क्षा द नि के क्क व ॥ या व नी यि य ली मू ली रु र्ज वी वि रु र्ज र्थ वा ॥ कि ना ना दाम रु गी दी रु रु र्ज र्थ य र्क्ष व र्क्ष स क्षि ना क ल सी वि रु र्क्ष य वा न रु वा य र्क्ष ॥ ना स्या व रु
 द नी ना रु स ल र्क्ष र्क्ष व रु क ॥ क क्षा य र्क्ष र्क्ष वा रु र्क्ष य र्क्ष वा न रु ना य र्क्ष ॥ य र्क्ष य र्क्ष या दि क र्क्षा थ र्क्ष र्क्ष स मा म रु य नि रा वा मि मा म न्ध य र्क्ष य र्क्ष वि रु र्क्ष ॥ क र्क्ष

(५)

क्षुब्धकल्कस्य सुठिकानां सर्वसंभदवर्धुक् सलं रयः यागशुद्धवर्धुक् ॥ मागुद्रुदय गादीनां सलं काथयुद्धवर्धुक् ॥ विद्यादियं सुलीन सुद्रुशीमलकं तथा
 ॥ कुरुमुत्र समाधेयः कथाया वातिकं कुरु ॥ पियलीक्ष्मलिवाडाका शगपुष्पादनेष्टिः ॥ कुरु कथायः स सुडा ॥ दया कुरु सनर्ज कुरु ॥ सुद्रुवीक्ष्मनिवाडाका शगपुष्पा
 पुनर्नवा ॥ स सुठायं कथायः ॥ दानकुरु विनाश न ॥ दाना सुद्रुवीकास्य
 चीर्यो स्ववसाय कुरु योतिः ॥ सुठय मरु ॥ समयः तस्यो निल कुरु कुरु ॥
 योतिः कुरु ॥ स सुद्रुयावर्न योतिः ॥ कुरु कुरु यव कुरु ॥ लो ॥ अत्यलाम ना
 ॥ का ॥ अमधुनाम धुवि कुरु ॥ नीवपि कुरु नामर्दिया नारु दान नाशनी ॥ द
 रुद्रा सुपि कुरु न दारु मरु ॥ गायमाना वमधुके पियली मूल भव व ॥ किना न वि कुरु मरु मधुके सविलि न के ॥ सल कुरु यो न भ न ॥ यि कुरु न निवर्दनी ॥ सुदी काम धुके नि
 म्नी कुरु का ॥ हि सी समा ॥ अ व स्या यति न या का ॥ मरु यि कुरु कथाय रं ॥ न कुरु यर्यठ क ॥ सुद्रु यि कुरु न विनाशनी ॥ किं पुन र्यदि वार्यं कुरु ॥ वन्द ना दी श नाग रं ॥ विद्या मरु यर्य

षोडी न घनवनसाधिनं ॥ द शास्त्र शागली वा नि ॥ रुद्रा कुरु दि कथाय रं ॥ यय टाम न धागी क्ष्म ॥ काथयि कुरु न उ यर्य ॥ कां डो न यध या स्या यि ॥ का स्य य स्या थ वायु न ॥ डा कारु या यर्यठ का
 द्रुनिका काथं सल म्ना कुरु लवि दयाग य लाय मरु कुरु म दारु ॥ क्ष्म मरु कुरु चि न यि कुरु व कुरु ॥ य यि न ध च ज ली या न यो न सल कुरु यो सा ॥ मरु कुरु दारु समय य विनाश न यर्यठ न यि ॥ नि
 रु लाम न द स्य रं सै न व कुरु न सै यर्य ॥ मरु कुरु न रं कथा यि ॥ यि कुरु ॥ सुद्रुया कुरु न वी
 दि क्ष्म मधुनं ॥ रुद्रा दारु दं दि न ॥ सु नं रुद्रा मरु यि कुरु ॥ धागी ली या रु दारु न
 य व न नान का ॥ यर्य व द न का जि के ॥ स सुद्रु यो स्या सि नो लं य ॥ रुद्रा दारु दि क्ष्म न
 रुनि दारु ल्वि नं सु शा गा ॥ यो न कुरु क व कुरु व सुद्रु नं दारु नाशनी ॥ जि क्ष्म ना
 मालु क्ष्म सि का वि स्य ॥ वर्यु गुरु कुरु रं वी ॥ कुरु कुरु य स कुरु य ॥ या व न म्ना क स्या दि क ॥ पिय ली पिय ली मूल ॥ वर्यु कुरु क ना ग रं ॥ स वि रं ला ज मा द रु ॥ या ॥ न व स्य क जी व क ॥ ता गी म
 दानि मरु लं ॥ रि कुरु वा हि सी स र्य य ॥ वि दाना नि वि दाना मरु ॥ वर्यु यं का हि का ग रं ॥ पिय स्या दि कुरु रु व ॥ य नि स्य ॥ वा व कानि लान ॥ नि रु न्या दी य ना र्यु ॥ मरु ल यं साम या व रं ॥ कुरु

दध्नालवधसंरु गिलमायसमचिन्ना नागनागिविद्यामूर्त्तं वधवाधच्यनागनेश्वरुद्राक्षलागिसावधुं याचनं दीयनं लयुगाया अवन्मकवीजानि रुचाना मदीय धं ननदामसमः
 लनमनीसावसयदनेककालकसयिरुक्षं वधविश्वगिचक्षुर्वं ययस्य काथमूर्त्तं वा विद्वन्निद याद्रुयाक्षनावसिद्धिं गत्यीने रुचादामसवदनययकसकृदगीसाया गुरुलीमाई
 वाशदायवर्तनं नदाकार्यः कियंसाभदिकाविधिः ययैमूलीवला विल्वः
 नकयगु विल्वदिनिधेयं कलधलनागवसहिर्नं गंममयिधेयनिधुश्चागु
 सुलीनदीयं गायमंधान मनीसावनिवाचयगु विवागनिककं मूर्त्तं वत्सकंसव
 यावसासाजये शासुं सयिर्नं ऊवामयी मधुर्ककडूले लाधु दाठिमस्य रुलव
 दशकं वंशं यिह सुव्यागिसानिधं कडूजदि ॥ कडूजत्वक लंमूर्त्तं काथयित्वाजलं विवशं मनीसावजयदाक्ष कनामधूयोजिर्नं विल्वदृगालि निरुद्रं यो नः सकोदक्ष कनभनि
 रुचादुयगीसारं वेधनवयथाद्रुनि ययठालयवधच्यार्क काथययसृणीगलभलकं नामधूसैयूकं रुद्रं यीसावनाशनं यियं यय नमस्माय याययययथावली नृणागीसा

धकात्यल विल्वजाशवागनीसनिधेयं देया नृकं नान्यनमनवा ॥ ककैरुडं दधिमधुजा
 ककैरुडि ॥ ककालवावसुदृष्टं यिधेयामलकेलिमकं ग्राहकत्वयसंनानु प्रवयं नालिम
 साऊनं यिवं यिहानिसावधुं सकडं वदनायदं यलं वत्सकवीजं सुययित्वाजलं यिवगु
 वं यिहानिसावधुं कं यायलुलामुना कडूजगि विद्यामूर्त्तं रुद्रिदाययिनी द्वयं स्रु

१२

वद्धिर्धुं सकोदं नृलामुना ॥ कलिङ्ककवचामूर्त्तं दात्रसागिविधं समं कल्कनलुलगायनं यिवं यिहानिलामयी कडूजं दाठिमं मूर्त्तं धनकी विल्ववालकं लाधुचन्दनया ॥ ध
 कयायं मधुना यिवगुं सामं सधुलं चकच यिहानुवचस्यं नृकडूजदिविनिध्यानं सवनीसानाशनं कडूजदि ॥ समं गि विद्यामूर्त्तं विल्वजाधं वधनकी कडूजत्वकल
 विल्वं काथसवनीसावजिगुं दली ॥ थसवसं योनादिर्जलस्य समाकिकः
 ॥ नयिवं रुसं केसैयूकं मनीसाव नृजायदं ॥ नलुलं यिहानु ॥ ० मूलकवर्द्धिः
 लान्तीनागिसावका कडूजं वृकं नृकाथं घनीरुद्रं सृक्षरुनं ॥ लेहि
 यात्वादिकनलं हदि निरुनामकिशासदायिकाथयामूर्त्तं वृकडूजस्य
 मृसा ॥ गनेवमधूसैयूकं नृकं कात्यागवृत्तिगभयदत्ययमायना विद्विमहं सानवशं मृकं ॥ ० वठकामासा सवनीसानाशनं ॥ ० वठक ॥ यययसाईदकाग
 जीवं वात्यलनागनेश्वरयावकागिसावधुं यययययसाधिना ॥ वसाऊनं सगिविधं कडूजस्य रुलवयं धनकी वृद्धं वं चकं यिवं रुलुलवाविधं ॥ कोडं सयूकं नृदगि

जल ५

मि२

दुयलरय ॥ पाणद सुठिका ॥ ॥ यथायथैय लान्धक मजा काम विवस्य च ॥ यियली यियली मूलं च यि क नाग नाय लारि वृद्धा ॥ कम ल्पय व का नय ल दय ॥ रत्ना न की य ला न्य
 हो कन्दै दि सु ल्प म न ॥ रि सु लेन सु उ न मा व ठ कान क स मि गान् ॥ न के के र क य न्या न ॥ न कम म न्ना न वा यि वे न्ना म न्दा यी न्दी य यी य म ग रु ही या ल्प ना ग न्ना ॥ की का य न न ले यी
 त्य ॥ ल स का ना गि रि वि ना ॥ रि य रि न मि दी वा क ॥ ल्प म ल्प वि का वि ल्प ॥ की का
 द्वा द ल रा ग य क्ता मा स न रि ल्प सु ठिका वि धया ॥ नि दा व ल य क व न्ना स सु स
 सा ॥ य थ य थ न्ना न वि ल्प व स वी म न न वृ द्ध ग न्ना र व न्ना ॥ मा लि स ड मा द
 स द्वा य मा द क ॥ य सि ड क ल ॥ क व न्ना व य नि जा ० व म्नी ल नि ल्प ल सु ल्प ग द
 य ल रा ग ॥ व क्क व को म हो य ध य ॥ ग ना ड न रा ग य क्ता म वि व स्य न्ना यि वा ड न ॥ रि रु ला क ल्प स म्नी ला ना ली सा वृ क्त व कि मि द्वा ना ॥ रा ग म हा म ध स मा द रु ना ना ल म्नी ला व ॥ रा ग ॥
 ल्प ल न यु ल्पि दा ग द्वा वृ द्ध दा ल क य पि ॥ रु ले ले म नि वा ॥ स द्वा न क र स वृ ल्प ॥ दि सु लेन सु उ न य ॥ स द्वा य मा द क ॥ काम ध ने ॥ सु नृ वृ य रा क्त व हि न्ना यि न व म्नी य ॥ क यी

१०

ग्ना ल्प कम न न ऊ नि र्ग य व म ग ल्प ल्प या ग वा ड न ती म स्य मा न्ना व यि य न गो म हा ल नो जा गो ॥ म्नी व ल वृ डि न क व ली स व ल्प म हा वी र्थ ॥ य र व नि स ल्प का ना गि रि वि ना य र्थ सा म य
 ॥ य य थ य द ग द डि ग्ना रु ही व न था क रु नि ल जी ॥ ना ल य नि व ली य लि ग म्नी क्क नृ ग वृ म्नी व ॥ रि क्क ल्प स का र्ण स ना ज य क्क य म हा य ॥ यी हा न वा ॥ य ॥ वृ रु क्क ल्प मा द क ॥ ॥
 वृ ल्पि क्क ना ॥ य उ ल ल न स्य रा ग म्नी ग ना ड न व वि रु क्त ॥ म हो य ध य म वि व
 ॥ ॥ द्वा वा य वृ क्त व वि रु क्त नि ला रा य ना वृ ल्प सु उ न स हि न्ना स हा य या ड ॥
 ल्प ल्प क ल्प म वि व ना ग द ल ल्प ग ला वृ डि न्ना क म वि व डि न्ना म्नी म न्ना ॥ स द्वा दि न स
 क लि क्त य वा न्ना विल वि ल्प म हा यि वृ म्नी य गान् ॥ यि व स क दि न्ना म थि ना ल्प लि ना न्ना ॥
 दि ल्प ॥ द व दा व वि डि न्ना नि ॥ यि वृ म्नी रु ला नि व ॥ व ला वा नि व ला वे व ॥ रु नि ड ॥ स व र्थ ला ॥ न ग ल्प रु ल्प स र्वा र्थ क व र्थ ल्प ग स न न ॥ यि वृ व सु ठि का रु वा व द वा ल्पि स मा वृ ध म न्ना क के नी स म्नी
 ल्प ना म ना ग य थ क्क थ क्क ॥ उ न्ना व नि ल्प या ना ल्प क म थि य दी य य ॥ क्क सि रु क्कि न्ना क ल सु ल्प म ल्प न नि रु न्ना क्क रु द्वा क्क ना य न ल्प द्वा र्थ दि ना म्नी ॥ म्नी वृ क्क न ना य न रु द्वा र्थ ले स य गो

पुयिकां जिह्मसो वीचकवान् यिवं किमिह नैव यं ॥ यनासवीजस्ववसे यिवं द्वाकादसं यूसेनै ॥ यिवं दीजकस्वस्वागृहं किमिनाशनं ॥ स्रवसादिगर्षायापिसर्वथे वायथा जयतु ॥ विजिह
 से-धर्वकावै कयित्वा करुनीमकी ॥ यिवं कृकलसैयीष्यसर्व किमिनिवर्त्य ॥ विजिह यियलीमूल यथा कयित्वा केऽमरु ॥ गजादाना यवा गृह्यातु किमिघ्रासमवर्द्धिकां ॥ यीने दिम्बीय
 गैदकि यकाक्षयगता किमिन् ॥ विरुलायिष्टादाजी वचा कयित्वा ककथा ॥ वि
 शिताय गेलक्ष कक्षनां प्रकथयन् ॥ युकानां नाशनं ॥ धृष्टं कक्षनां विव
 नं ॥ सविष्ठि गन्धसिला सिद्धास्रवती जलं न कर्तुं गेलं ॥ साज न्ननयनि नाशं लि
 वं ॥ ० ॥ साधु कुयाधुमयिने समीकं सिद्धं ॥ यं नाडं मधुसूदं ॥ सम्यादय
 त्वकमेव वापि विवर्चने दृष्टं कर्तुं यिवं द्वाथागंधं ॥ वंचनिकान् युगेन ॥ विधिः स्त्रियं ॥ यथागलं निरुशीतलु येति क ॥ धृष्टं ककद्वकाय ॥ कार्यानिष्ठलु मिश्रक ॥ ॥ विधिः
 कवेरु वृद्धं यनाडं येति कयि वं ॥ करुयाधुमयिने युक्तं ॥ यो रुनीमकी ॥ नागनं लोहद्वलुम्बा ॥ कृष्णवर्था मथामजं ॥ सुसुत्रं ससूत्रं ॥ करुयाधुमयी यिवं ॥ सायन

२१

जंगवामृगं ताविनं वायथा नज ॥ याधुना गयधुमार्थं ययसाय यिवं च वशां कलिकाम नावासा ॥ निरुक्ष निम्यनिम्य उक्ष ॥ द्वाथकोदयुगा रुच्या याधुना गैस कामले ॥ कयति लाश्रुय
 लकालता मेऽसर्वेऽसमामे कि क धातु दृष्टं ॥ मेमादक ॥ दृष्टं यगान् गृह ॥ याधुमये दृव गगं यिषक ॥ न्यामल लुसंगक ॥ द्रयो ॥ ममृग ॥ धिने ॥ मधुसयि यने दृष्टं सदक
 नराजय ॥ दीयने वायिज नुने ॥ यथायाधुमयायदं ॥ यथै विरुला
 ग ॥ कक्षाऽऽकामलायदं ॥ नवायं दृष्टं ॥ ॥ विरुलायायुथा राग ॥ कयति क
 व ॥ माक्रिकस्य वृद्धस्य ॥ लोहस्य वजसस्य ॥ यथो राग ॥ निगायाधुम ॥ कयति
 थायिना ॥ दिने दिने यथा ॥ गच ॥ जीह्वाजी यथायिने ॥ वज्रयिचाक ल ॥ दृष्टं
 दृष्टं सर्वभागद्वैतिवै ॥ याधुना गै विष्काक्षं यक्षाक्षं विषमै ॥ व ॥ कुक्षान् यज वकमरु ॥ द्वासे दि कामना चक ॥ विष्काक्षं यक्षाक्षं यक्षाक्षं कामला सुतजानिव ॥ यागवाज ॥ ॥ विष्काक्षं
 कर्कामसु ॥ कर्कदाच कर्लिगकाक्षं काक्षं यद्वि यिवं मूर्ध्नि कर्णाक्षं च घनयिया ॥ यीत्वा ग ॥ दृष्टं मीराति ॥ सर्वलिष्का ॥ लगीमधु ॥ याधुना गै द्वाव दार्द काक्षं ॥ द्वासे मना चक ॥ सुत्या नाह

३१

द्वितीयं तद्वर्द्धनीयं काष्ठा कर्यं धर्मं हि काष्ठा विद्यमकं नाना रूपात्तथा यदुत्थं रूपात्तथा विद्यो नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
समूलयुग्मं च दकलं काष्ठा उलाजलं डालयलियुगं ॥ रूपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
कंच द्वितीयं यमार्गं यला विद्यमकं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
गाद्वं चैकं यजं चैकं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
४॥ ॥ हि काष्ठा साकुलं यदुत्थं गेला कस्वदं यदुत्थं ॥ सिद्धे लवणया गेले मृदु
॥ नये विकं ॥ रुपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
लासकं चान्तिर्न ॥ नागं सुठं सैयुर्कं हि काष्ठा नावनगं यं ॥ सुष्ठं नमस्ति का विद्या नस्यं वाचकं कामुना ॥ या रूपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥
विदं ॥ हि काष्ठा ययं यदुत्थं ॥ हि नं नागं वसाधिर्न ॥ रुपात्तथा यदुत्थं नसान् अथै गस्तु विदिर्न धर्मं मिदं रूपात्तथा यदुत्थं नसान् ॥

36

[illegible]

40

[illegible]

42

गायदक्षिणपिप्लवा केवलं न भगवन् मनामिच्छु मदनं ययाति ॥ दाका कयिच रुल दाजिम यान कयिच रुल नान विरुम रुवम धुश कना द्य ॥ यथा वा रथन स सिद्धि द्य न धानी न
 सन वा ॥ सयि ॥ कल्याण की वायिम दमृच्छु रुव यि वंग ॥ सद्धि दिसु द्य निसा रं नदयु मरु ला रुव ॥ सय ॥ यशमय ती न मा रु क व विनी न व ॥ वच्य क नी य द्या धन उल पाना लल
 वल रु क ल वायि ॥ साम्य निषु वंग रु ल म द ॥ दृष्टु न जा श क ला क व ला रु ॥ १
 उव ॥ धरु रु उ ॥ दृष्टु स श क व यान या र ग न ॥ म दाय य मि नि ॥ ॥ ग न यि
 यु क ॥ धन्या ये व यि दृ डि मा न ॥ दृ द य रु स स र्वा रु मा ल ना ल ड वा स सा ॥ ला म
 दा रु लि ना रु उ क द ली द र सी रु व ॥ य वि स का व ग रु व ॥ दृष्टु ना ना रु स व न
 १ रु रु दृष्टु स म य द गे ॥ अ ये स्य ली न ले शा रु धा दि धा ल य धी रि जी व का र्थ न सा धि ने ॥ गि ल द्य न वा दा रु द्य वा ग यि रु वि रु वि ना र्थ न ॥ रु धा र्थ न ले रु ग ॥ ॥ रु ल नी ला ध स द्या म्य
 रु म य रु रु रु न रु ॥ काली य रु व सा य न दा रु स र्वा रु ल य न ॥ रु व य द्य का ली व व च ना रु द वा वि रु ॥ सी रु व ग रु रु डा ली दा रु दि रु न व रु ॥ ॥ रु दि म दा रु य दा रु वि रु

॥ इयं यक्ष मूलं लिङ्गला वज्रो कठजल ॥ सय यक्ष मयामार्ग नालिनी कठु बाहिनी ॥
 विरग ॥ लगीया अलि कठु कं लिङ्गानि वलानि व ॥ शयसी मारु का मूर्वा दानी रुनिमचि
 रुं सयिष्ययव ॥ गमस कठु सदध्रुम जीव मूले ॥ यक्ष मयामार्ग नालिनी कठु बाहिनी ॥
 याहली मक ॥ लङ्गला वज्रो कठजल ॥ सय यक्ष मयामार्ग नालिनी कठु बाहिनी ॥

चालके भलसुनाति विष विग कष्टे विरुद्धि स्वयं किं मासासि नायथा ताने वसु मृगं व
 सार्ययने ले वसु मृगं व कुमुद सिद्धि स्यात् ॥ मृगं स्व मनोसाद केन मं वच ॥ ॥ ॥ ॥
 र्थं मसं व वसादे स वनि वाययाद यन विषयत सुका सुका वातं वा व पि यत्न व भक्त मास
 यद्व व ल्हायाग सय वातं सुखा मृना ॥ ॥ विरुक्तं न्यय वाया ॥ कष्ट काति वाक्या ॥ मरु शक्ति
 गुणैक मासं यत्न दद ॥ ॥ यद्वालय गतं वापि हि न स्रु विच व नी वसु य ॥ ॥ धनीय
 न वल गत्य ले वात ना र्त्तनी ॥ कार्य वस्ति गतं वापि विधि वस्ति विस्व धनीय ॥ ॥ त्वं ग्मी सा ॥ ॥

रुमडी विवल्नवलेलेन गधमी खेअयेसुब ॥ सल्लिकाद लेकाथ मृषिय विसाधिना मडवा न गधमी बागे योगमागसर्गसंयभायके मृलीक मायचु नवने लठिवृथने ॥ वृथने दोथ
 वायुके मरुधमी सल्लुल नुन ॥ गेले ववाडक मागुलुझा नसे सवुकी समुडे विडा ॥ कछु न यवृथिक गुल्लुले गधमी दावले वरुयदि मृषा गेल मने लुज वापि ॥ ममृषा यिव
 नवभा मासम के यथा ॥ मय गधमी व गरायदभा ॥ ममृषा व लुने लाया कृष्ण
 गेल साधिनी ॥ वाळाक मधमी जीव ॥ यवृषा प्राय सो गकि ॥ यिव व लुले ली
 क र्थान्यके वरु मृली ॥ मयिषा वठि का कृत्वा खाद द्वा गधमी रुने ॥ गधमी क
 विविधु श्रु याव द्वा न सुधुनि ॥ सदानि वथ के सुकु रुम च व द गायथा ॥ ग
 गुली सम्यक कनिष्ठा यां ॥ ने ॥ ने ॥ सत्ता समचने गच्छि कधु ना यां श्रव सिने ॥ ने ॥ लु ल विदा झा सु यवा ला कल स निने ॥ समधु त्याग्नि ना दग्ध लिय दग्धा द न च ने ॥ वि ॥ श्रु ति ना मि ड
 वरु न धमा च व लुले गुले ॥ यदि ना यम म म गच्छे द रु न्याद कनिष्ठा का ॥ गगन मयि लो साठ ॥ यिष्ठा ग के लय ॥ यिव ॥ व क लानिल बा मरु ॥ म क ल द व विमृश ॥ द व मृली क माय ॥

यी ने सवृषिने ॥ दोथ का लाकि ना रुकि ॥ गधमी करु वा रुजा ॥ ममृषा कियान न ॥ सिडा मने लु
 ने सविष्य श्रु ले न वा मया यसा रुकि न ॥ सिडा ॥ गधमी कडी लुल नुन ॥ नासा या सु यलने के
 नने सम्यक याचना ये विस्माधिने ॥ सत्ता न व यदी फार्थि वलि ॥ समया व न ॥ नादी वलि
 धुम्या रु स्य जे वा या ॥ स रु खे द रु ने रु ॥ ॥ जे द्या या मदि ना या ॥ ॥ म मृषा ॥ म व गा शा ॥

४१

यिव द्वा गे ना मृसा ॥ कटी लुल य स वृथ गेल मने लु स म व ॥ विष्य श्रु खे अये जनी दा रु रुथ व या द या ॥ का मृषा वि ॥ का व वि का व वा न क लु क ॥ सि वा य ॥ कानि विष्य वि कित्ता व
 गवा गनुन ॥ गधुले का मृषा ॥ गधु वी गिरु ला मृसा ॥ को व न व लु गेल मया यिव द्वा वृ द्वा न के ॥ व का व स व ने कृ य ॥ ली ॥ वा वा न क लु क ॥ यिव द्वा व लु गेल मया द रु द्वा गी रि व
 वा ॥ स ल्या सि मृस ल व ॥ स रु म या य ना रु ने ॥ य थ क ला ॥ म गिरु ला यियली
 ठ की क रु ॥ म म सा व सा त्या सा ॥ द्वा ग वा म न स व न ॥ रु कि स ॥ श्रु ति म ड्डी न व
 ना विधि भा ॥ द्वा द्वा क गु वृ व ठ क ॥ ॥ मृषा व ग ॥ म रु य या ॥ रु वी ॥ श ना
 व ॥ को ति क म म ॥ द ये क थ म यि व गा द्वा ग ॥ रु क ड्डी मा रु ॥ रु न त्या या म
 ठा य रु ॥ गधु सि वा द्वा व रु नु ग रु ॥ ज नु नि या द य म ॥ स धि गे वा सि ने व वा ने म ड्डी गे सा य ग ॥ व रु ॥ ॥ ना म रु य द्वा ग क रु न व द्वा न वा ग वि ना रु ॥ य नि दा या न ॥ रु म वि वि द्वा
 म व रु ॥ वा ग रु या द धा गे य व द नि सि डा भा ॥ रु या द धा गे म लु ॥ ॥ जि वा व न क म ॥ रु वा ग वा न रु वी दि ने ॥ मृषा व रु न रु ॥ दी य नी ल रु ॥ व या वा ग व रु ने मा रु का व थ द रु ॥

लि २

यावेने

कुरुक्षेत्रं चित्रायाश्चतुर्लोकं नृवृकगावासाशिवाभ्युलादवाकाचसकगद्यठगर्गनिष्ठाश्चकृत्सिक्तायनेलद्यर्गद्वाम्बुक्लसोदत्वारुकीमस्तुन४१७काङ्कागवसा
 लुथकवसग४कावाचदत्वारुकी१स्यकाककठजीवकायविकसाकाकालिकाकच्छरीसृक्कलायनसावकृन्सबलाकाष्मीवर्मासीनखे४कालीयात्यलयद्रकाद्रयनिष्ठाक
 कालकगुक्तिके४वाभ्यायारुयथावयूगकठकाजागीरुलारीवृलिष्ठावासाम
 कल्लवीदशसूलकककननश्चमाध्वगन्धमूलि४कोकीगार्कजशालकाकूल
 ६६ लोमहीयसियवत्सन्देनयाश्रिनायानात्यजनवस्तिनस्यविधिनागत्मावर्ग
 नाविधनामयान१ध्वनृदृदयगिस्तिवश्चकृन्गर्गसीनवयोवनीवृडस्यापि
 गाधरुलिन४स्त्रिष्टोतवन्निस्तिवा४सश्रद्धासृष्टारवन्निमनूजाम्बाहया४कृञ्जवा१जकादशशानिकेमहायसावलीनेली॥ ॥समूलदलक्षखायायसावस्थ४शगुर्या१शगमकी१ग
 वय्या४स्त्रिष्टोतवन्निस्तिवा४सश्रद्धासृष्टारवन्निमनूजाम्बाहया४कृञ्जवा१जकादशशानिकेमहायसावलीनेली॥ ॥समूलदलक्षखायायसावस्थ४शगुर्या१शगमकी१ग

७३

सूचकनालनाचनदधिमस्तुठकनय१क्रीवस्तुकेकृनिर्गसिद्धगर्मासवसारुके४गेलडासमायूकदृष्टयाश्रुनिधायय१दद्यानिधियानिधयश्चाक्षिणानिवक्राम्यग४यव१रुत्साग
 केनठ१७७७यिपलीविगुके१७७७वचायकयिसावस्थ४यिपल्यामूलमवव१दवदावृशगाकाचसृक्कलात्वववालकी१ऊकर्मगदमजिष्टाकृन्कनखवीवकीकयुवकृन्कृन्निष्ठा
 वक्षश्चमचन्दनी१ककालनलिकामूर्त्तकालीयात्यलयगकी१शरीरुव७७७
 वकाईयूननवा१दशमूलध्वगन्धवनागयूर्यनसाऊनी१कठकाजगियूगवा
 यागयाश्रुयाकुसुमावली१यथाग४मजुविधश्चगर्गमागन्धिधायन१कर्त्तव्यगर्ग
 गगवस्ति४निवृद्ध४सर्वकामिक१नगद्विवदंउवाध्वनीकिं४वालीयथामर्ग१४
 का४यूनयलारुक्तिरुवन्निरुलक्षलिन४वृडायननकेलनयूनध्वगन्धयग१नयसूगवयानावीसायि७७७७यसूग१नयज४यूनययसुभापिपीत्वालरुत्सर्ग१वासीनिवा
 गजाजागन्धुमिकावेहिकानयि१सन्निवातसवाध्वनाशयगक्रियमद१नननत्वकवृक्षीनीकगयत्वावर्मनमरु१कृनिधियिष्टावृलिवायिगलमगत्यथाजयग१वाध॥

उलार्ड वासाया, खनी मस्यवदीयन, रत्ना न कासरु त्वं नु न ल्प न व क च न न । त्वं नु न म ध नी थ व । कृष्ट च म् क थो वि को । ग न्धिका थो म न व क म थि क त्वं न दी य न । क र्ण व म
 द दान नै । छ क ग न्ध द क क्रिया । डं छ द्वि या क वि धि न वि या सा न धा सम ॥ क र्ण द श नि के य सा व ली गे ले ॥ ॥ ग न्ध न य य सा व ल्प द व यी ग म हा व वा ग । क र्ण ग न्ध व ली
 व छ । व नी वा सा य न र्च वा । क न की द श मूल नै । य थ क्क का वि न ड क ॥ य थ क
 लानि ला ध्रु व ग थ । सर्व म क र्ण का न य ग । ज ल य नै । उ क श न । स पा दे न न स व
 १७० का न सा ड का थ व । क ग मा स ड ला ग र्ण । ज ल य नै । व त्वा वि न ग । य ल न यि
 सा ध य ॥ ॥ गे ले क्क वा क ठा ड । द ट न व वि म ल । म न्द म न्च न ले लु । य र्क नि रु क्ष ता
 हा स म्भ क्क । धि न गे ल य वि ना । स म्भ क्क रु र्ण व ल न । ग म्मा त्त र्ण रु र्ण व ल य स वि य डे । सै ल्प न्ध गे ले क्क र्ण व । म र्जि य न नि लो थि ड्क ल ध ल न ल क्क । साम ले सा क य थ । स वी य र्ण वि नी ले न
 य वि न म थि नै गे ल ग न्ध ड र्ण गि ॥ ॥ क र्ण द यि ॥ स ग न्ध य क्क क म्मा नि । न ग र्ण नि व ल्प ध य ॥ ॥ य र्ण व ॥ ॥ क र्ण व ॥ क र्ण म्भ र्ण व क थि न्ध नो वि ड य व क वि ल्प य ॥ ॥ ल ध नै गि ल गे ल स्य

य ल्प वा ना नु य क्क र्ण ॥ ॥ ग न्ध ॥ क र्ण व य य सा द र्ण । द्वि नी र्ण द श मूल या । र्ण नी र्ण न मूलि स्या न् । क र्ण व र्ण क्क य थ न ॥ ॥ गि यो ग क श नी म न गे ल स्य ध न वि धि ॥ ॥ सै छ र्ण
 गि ल गे ल स्य । डाल य ल्प ल सै य र्ण । क र्ण मा ल ग डो य । य क्क क ल्प ला र्ण क क क्षा । ना ग र्ण म वि र्ण व व य थ क्क य ल्प ली मि र्ण । रत्ना क्क गे स ड त्वं नु व क च न न मि थ्य न । य थ्वा र्ण ध र्ण
 १ स व ली ल ना क्क क र्ण व वा । द व य्ण वी ल ठी म ल्प । द र्ण । द्ध म ल्प ली । यि य
 ली व ना सा व । जी व नी या ग ल स थ । ॥ य र्ण वि य ल के र्ण गे र्ण । य ॥ या क वि धि
 नी मा सी दा न् । व ला व ला । र्ण वा सा न लि का र्ण ठि ॥ स र्ण ला ड न्द र्ण म्भ ना न
 य थ क्क ग न्ध गे य नै । द्वि नी य ॥ या क मि थ्य न ॥ ॥ द्वि नी य या क मि थि ॥ ॥ ग र्ण
 ला म्भ १ ग ज ल य ल्प ल्प स्य य क्क वि थि नि । क र्ण व र्ण वी १ क र्ण व ॥ या क ग । ध म्भ क म्भ लि १ ग न्ध म्भ व ल्प म्भ र्ण । र्ण नी य या क र्ण ॥ ॥ र्ण नी य क मि थि ॥ ॥ क र्ण व र्ण ध र्ण क ल्प
 क र्ण व र्ण व । त्व व काली य ड्क र्ण म्भ । र्ण ड शि र्ण ग न्ध य र्ण । ल ग क र्ण वि क र्ण थ । त्व व ल्प ग र्ण क क ल । जी नी का थ य लानि नु । र्ण ला ल व ल्प क्क ली व य थ क्क वि य लानि र्ण । क र्ण वि क

सुगन्धिनेल लक्ष्मीविलासगल ॥ ० ॥ निवाद्याधिविक्लिताधिकारभा ० ॥ वाञ्छल
नृदयाभूदसुदकेसु ॥ ३ ॥ शुशलावृजलीकसादक्षदक्षवृजनिष्ठसिवातिष्ठय
षष्ठयसयावनकीजयनिसवकवार्गसामंरुष्यान्यस्यसि ॥ वत्सादन्कुरुवत्साथशयीन
नीरुल्लानाभवस्तुनेलनयिवत्कषायैरुमनसर्वाङ्गमयसर्व ॥ उयदसुग्मगलव
नृन ॥ निसाथवायकेरुठनयथा ॥ उग्मयिवत्किन्नरुल्लकषायैरुगङ्गावर्कसमयक
रुकेरुवागसुगुर्गनृनेलमिष्ठ ॥ ३ ॥ मवार्गसमयेरुगुञ्जीरागुञ्जीराष्टवसेकके

५३

[illegible]

मात्रिकी १॥ गम्यु गयी गजयनि ॥ सकरु वाग ॥ क्षालिने ॥ धारी रु निडामु स्मानी ॥ कमार्य वा कडा
न वाग ॥ क्षालिगान् ॥ करु व क य समने ॥ रु र्थ सु उ घु न स्मने ॥ से स र्थ य थ ड क ॥ मिर्छ वा य नि
य त्सु समा हिन ॥ १॥ विरु लानि म्ब मे डि द्या व या क ड क या हि ली ॥ व त्मा द नी दा न नि ॥ क मा
द व य क र्थ नि ॥ ये के व कि क मा य ल ॥ का थ यी न व कार्मिक ॥ कि के र्थ सा धि न् क्रा थ यो य्थ मा ग
उ र्थ ज य नि दू रु र्थ ॥ सु र्थ वी घु र्थ ॥ १॥ गा व नी क ल्क ग र्थ ॥ व स न त्या थ्थ सु र्थ लेश ॥ जा व रु र्थ य
१॥ वा सा व य ध वृ थ्थ व ॥ द व दा न्त्रि क ल्क ॥ क ड का श गा व नी क ल्क ॥ का थ य स र्थ लानि व ॥

[illegible]

कावागलननू॥वीजयूवकमूलकैद्युनेनसदयावयग॥गऊथैयैदानतवैधूलक
मयद्यूवागलविनागिनी॥निलेश्वरुठिकाकृत्वाकामयऊ०वायविशुठिकाना॥ ५२
जीवनीमूलकल्लावासनेलयाधैलनू॥युठ१॥लियवा१कीर्नसयि१यानेविनय
वसेक॥थैल्लमयठालनिम्बे१॥गावगल१युनिना१सवागा१कात्यादियागलिजलकग
याग१सूगागामधुमेययूका१द्वयकिनयिदुतवैथैल्लथावविदाहल्लकिनयिगवय
यनी॥गल्लनाम्बवा॥यिवैल्लैकवैसय१पिठ१लनि१दन१॥गावनीवसेकोडयू

[illegible]

थिस्केलं वज्रः काथकलं च न्यतमं नखः उदावर्तद वानाह विषयुत्त विनाशनः ॥ विवृत्तु ब्राह्मणीनशा द्विः वतुयः रागिकाः सुठिका सुठुत्तासा विद्वन्धगदायहा ॥ रुवीगवीय
 वक्रावः यालुनी विवृतागथा ॥ यन्नेदुर्लभं मिदं यय मुदावर्त विनाशनं ॥ हिंउकु ववास्वर्ति विठं च निदि वृत्तमं यीतं मयं न ननुर्लभं मुदावर्त रुवीयवं ॥ खलुयलं विवृतासममयकु
 ल्याकवर्तुर्लभं नैर्लभं ॥ या शीजन वसमधु विद्वंजलयदकं लिहं ल्याह ॥ नगद्वाहयः
 वसानसयसंमिष्टं यिवत्यागः यकाकिगः ॥ गुल्मी दावर्त लुलघं दीयनं वलवर्तनं
 ॥ मदनं पियलीकृष्टं ववाग्नेवाधसर्वयाः ॥ गुठ कावसमायुक्ता रुलवर्तियस्यगं ॥
 सोवर्तलायांमदिवाः ॥ मृगत्वरिहं यिवगः ॥ लीवाद्यथमयं न काववाविधिवच्च
 ललुनं कावः डाकावसमभायिवाः ॥ सवर्तयेवाययं जीग मूरुहृद्वास्मवाविधिः ॥ स्वरुखं दवृत्तं र्त्तनं समयकमं ॥ मृगमाकाः ॥ गुजं कार्यं स्वयंमयं यियाः ॥ कथाः ॥ कवजं कवयुं ल्याल
 लं नानयत्तयं ॥ न ॥ अडं ऊकु कायं गः ॥ खं दाधूमः ॥ समावनः ॥ हिंनं वातघ्नमायं व ॥ यन्नेवोत्तराकिर्त्तः ॥ उडावजं ऊमायं न ॥ त्रिकं धूममा चनं ॥ द्वायां यथं दायं नस्यस्वरादितिज

यं ॥ उडं काथकलं नैर्धुमा लं घनं वक्रमाकलं ॥ वक्रावयानवायामा विवकल्युत्तस्यगं ॥ वस्तिष्ठु द्वि कवावायं वतुसुत्तजलययः ॥ आवाविनासात्वाधिर्त्तं यीगवर्तं युकासनं वमययः ॥
 यियानायः ॥ उडावर्तनं नवः ॥ मृगत्वरिहं यिवगः ॥ लीवाद्यथमयं न काववाविधिवच्च
 यवागृ स्वापिणीनवाः ॥ वसनाद्याह विष्ठाकः ॥ गुमः ॥ सातुवानवः ॥ निडावागं यिः
 वासकुटी ॥ सर्वर्तकायं निविठं ॥ सुखायुनानाह विष्ठाविकाहिः ॥ रुडागः
 रु विमूरुवागान् यीत्वाजयदाहु दिगादनाली ॥ विवृद्वा नीगकास्यामात्तु र्त्तनी
 हिं यवर्त्तुर्लभं दलं मृलमस्य ॥ त्रिचकोद्धवयुनं नवाव ॥ उल्यानि सवर्तलवत्त
 दने याने रुथा मरु न जायुमिष्टा ॥ वा ० धूमविठं थाय ॥ गुठ मूरुहृद्वियाविगा ॥ गुद हृद्वसमावर्ति निधयानाह लनं ॥ वलिं शिकदकसे न्ध व सर्वयग रुधूम ऊरु मदनरु लेशं म
 धुनिगुठं वाहवी विनीगुयुमाग वलिं विरीद्वरु लालने ॥ लने पुलहिगा गुठं गुतायका ॥ आनाहा दावर्तयुलमनी ॥ उ ० वरुत्तनिवावणी ॥ मूलकं ॥ उक्तामाडं ॥ कथाहं मूलयं ॥ क

किशुकर

五

[illegible][illegible]

कच. काजिक कवमईक। कवीन कालवत्सलं यदक का वासिवरु यत्र ॥ लोहवसाय ॥ ॥ विरुलाति विद्यामूर्धा ॥ विक विरु कवासकेश निम्बावग्धमडु क ॥ सकयल निम्बाव
 येशुवीचयवाक्य ॥ कसुसमय नागवशे लमसिसमकैये ॥ सनसादिनसायुन ॥ यानात्यऊन गलुम ॥ नस्य वसिययाजिने ॥ सुलगास्यक सुदी ॥ जयलरु कुतान् गदान ॥ विरु
 लायिनेल ॥ ॥ सिनीयवामऊकिस मला ॥ धुमत्वदा वससदरु वश्यवम ॥ य
 लूनिसयुगेविस्वयगवसावापि ॥ मरुदोगन्धनाशन ॥ रुवागकासाधुमविद्वय
 नी ॥ मसूयपिष्ट विनिदुकिजुष्ट ॥ वल्लुजल्ल ॥ मययसावयुक्त ॥ ककादिदोगन्ध
 रुविडादरुन विवादेरुदो ॥ मन्धु ॥ दलदलायुमलयात विलयनरुवगिव
 धिकावशा ॥ उदवादायसुग ॥ कोडमका मयगा ॥ नलगा मयाडा ॥ निगासा नि ॥ दीयनानिलयनिव ॥ वरुसा विनवा मरुजा नुजा गला ॥ मगदिजान ॥ ययामुगा सवाविदा ॥ मधुमीधुन धायिव
 न ॥ विवकसु यनसर्ग ॥ सहस्रज ० व ॥ मव ॥ वागाद व व व व ॥ यवसिदे वयाव व ॥ सिमयस्वदिगा मय ॥ दद्यात्स्वरु विवचन ॥ कन दामयविज्ञान ॥ वययदा स ॥ मद व ॥ ग ॥ म ॥ स्थानवका

सत्वा ॥ यनामाध्याययत्न ॥ दायागिमाजायवयार् ॥ धनमा ननिवाधना ॥ सकवत्त दवाकसा ॥ त्रित्यमवैन विवचय ॥ विविकुचयथादा ॥ रुविययाग ॥ सादिगा ॥ ॥ वागादवी
 यिवरुक्त ॥ यियलीलवत्सा ॥ चिने ॥ लकनामविगायने ॥ साद यिहादवी यिवरु ॥ यमानी सेधवाजाजी ॥ द्यामयुक्त ककादवी ॥ यिवत्त धुयनेन ॥ यका ॥ नानियत्त व ॥ मधुगेलव
 वा ॥ लु ॥ लगा ॥ ककुस ॥ सेधवे ॥ मयुक्त योगादवीजागा ॥ सशामनु दकोदवी ॥ वाड ॥
 लकावलवत् ॥ युक्तु निवयादवी ॥ मनेववा वावका ॥ लुनी ॥ मन्दा ॥ मवगिसानि
 ग ॥ सादावत् ॥ ववाग द्या ॥ द्युनेव ॥ नू वासन ॥ सामूड सीवत्त लसेधवाना ॥ ज
 निवृक्षनिघुगयुगानि ॥ यजीगयुष्ट कवनेयसस ॥ वागाद व ॥ सुसा मजीक्षितक वा
 मूडादिदुष्ट ॥ ॥ योगाद व ॥ वविनेयुष्ट ॥ मवाववावयग ॥ मन्वा ॥ वा ॥ वल्लेकी ॥ व ॥ वसि ॥ उ ॥ ड ॥ विवचय ॥ ययसा ॥ विरुगा ॥ क ॥ ल ॥ ना ॥ व ॥ द ॥ क ॥ न ॥ न ॥ वा ॥ म ॥ ग ॥ ला ॥ ग ॥ य ॥ मा ॥ म ॥ म ॥ म ॥
 म ॥ न ॥ व ॥ म ॥ ध ॥ न ॥ व ॥ का ॥ का ॥ द ॥ द ॥ नि ॥ ल ॥ सु ॥ ड ॥ क ॥ क ॥ वा ॥ चि ॥ ग ॥ जि ॥ ने ॥ म ॥ ग ॥ वि ॥ द ॥ य ॥ म ॥ क ॥ ति ॥ रि ॥ म ॥ अ ॥ ज ॥ य ॥ च ॥ क ॥ रु ॥ य ॥ दे ॥ म ॥ स ॥ नि ॥ या ॥ गा ॥ द ॥ व ॥ स ॥ द ॥ नि ॥ य ॥ म ॥ क ॥ का ॥ व ॥ य ॥ लि ॥ य ॥ ॥ ॥ द ॥ वा ॥ द ॥ व ॥ द ॥ रु ॥ रु ॥ व ॥ क

(5)

कांड

[illegible][illegible]

यादशमूलगङ्गाकावदयस्याल्लवक्षनिवेद...
 विषयलार्थसहिंशुकवर्षेत्तम्...
 विधिनाययुजी...
 शमूलगाय...
 धनयमानिया...
 धयर्थवर्ष...

वा ४ २४
 लवदयला...
 की...
 गेली...
 पुनर्व...
 ल...
 श...
 सु...
 शमूल...

धन...
 वरु...
 क...
 शमूल...
 ध...
 ध...

नि २
 व...
 व...
 व...
 व...
 व...
 व...
 व...

२७४ मु त्री नन्द ते न च्छा ग मी स न स त अ क्रि द्वा का व ते ना स र्गे न स व वि ष च म् त ह न त्तु पि व क र्थ न्दु वि

[illegible]

पञ्चसफारुमूयिर्गजलंमद्यमगलगलुयुयानालयध्वनसविनिधौकडूलेदृष्टोक्तसद्यगलगलुमयहवति॥युग्मिधुयीगनिवाध्वगिलिकध्विकामृत्लंमद्विषीमृगंवि
मिधुनैलाहमलेसंमिर्गदठमार्स॥नृकधूमविग्रुलिश्रामधनागलगलु॥जिह्वायापार्धनाध्वसिवाद्यादलकोर्लिगाभासांस्त्रुलनिबध॥ध्वस्तुध्विआदवधने॥वतिमनेव
संमृष्टकृषयगंलवृद्धिमान्॥ध्वगवकवृलनमिन्दयात्मसुतमार्डक॥नृ
नृउयययविनक्तिआगलगलुविनागय॥विउंगकावसिन्धुभासाप्रिआव
यग॥उमृगेली॥॥गेलीयिध्वमृगवक्रिनिध्वदिंसाद्यवृककयियलीहि
सदृष्टोर्द्वीगकाध्ववृलमृलजगलुमालारुलयाध्वविनकावान्वध्विध्वनी॥
कावगधसिहाक्रियुयिध्वनलुलवानिध्वसमृगस्यलयायागलुमालासमृदवृगलुमालामयाहनीनस्यकम्यानियाजयगुनिध्वलुसुनिर्लसमृगविध्वयविध्वमिमा॥काव
नकीखवसननस्यउध्वलुवायियलिसेयुगनगेलीनवानिध्वरुध्वनकृयादवायकल्यसहमाक्रिकन॥दध्यावागिध्विकध्वमृत्लंममृगयागगलुमालाहवत्यीनविनका

कायः सुठिडने ॥ विवविस्वाशिकोदनी विगुकारुयमावकः कथानकः शुभनां यवीमानिवदावर्णः कानडवाशिवायानि कावावादावर्णयवीः इशाधं विच्छिलाना
 नु त्वधुलानियुयिठिने ॥ गगयकालनकाथयठालीनिम्वयगुजः अविष्टुडविष्टुडु न्यअधदित्वरुद्रवशायके सुलदयवाग न्यअधदित्वयेतिकः ॥ नानमध
 दिकायाअं कहुजसर्वकर्मसु ॥ तिलकत्कसलवरः ॥ ६६ ॥ विदगि
 लादनी ॥ विदले-धवमातिकः ॥ इष्टवः ॥ यमः ॥ लयः ॥ धनकः ॥ वा
 दयः ॥ निम्वयगुलिवाले यमः यद्वलः ॥ धनः ॥ विरुलाखदिवा दार्ष्टी
 सानी ॥ मीसका नामवा रुगाः कल्कः यवा यलः कायः ॥ तिलानी मधुकाचिग
 यवा यलः ॥ निम्वयगुलिने ॥ कल्का मधुनाकः ॥ धनः ॥ वायलः ॥ सयियका यवकल्कः ययविधीः ॥ निम्वयगुदः नकोड दार्ष्टी मधुकसंयुता ॥ वदिनिलानी कल्का वाक
 ॥ धयडा ययद्वलः ॥ सफदलदुष्टकल्कः ॥ मयदिद्वदुष्टयुलं येन ॥ मधुकासनयवा सर्वलवायनी कथिगा ॥ मानू मतिवकयालीनदकिवा लंयनीउमृग

१२

ला ॥ वायनमिदं वलानी ॥ यागलनेयसाधनी ॥ वलचिः ॥ धयदर्या सुक्रत्या न्नाचिमर्मगान् ॥ रंकेयाविदु नादनी ॥ लीगलीमधुसेधवेः ॥ सखदी ॥ यगयद्वक
 कल्काठज ॥ ० ॥ वकाः ॥ यथ ॥ गगयलं यन ॥ गलीववधवायनाभा ॥ यकेवल्लेख ॥ धीष्टुकिष्टुसमायने ॥ धागकीष्टुलोधिवा ॥ नथमरुकिगवल्लः ॥ सदासवदनाव
 को ॥ यवला मानुगालाभा ॥ यानिलानुमा ॥ धेवरु ॥ यानुययसिनिष्टुगान् ॥ न
 न ॥ यवाष्टुदुर्मदनः ॥ वावसुनाकये ॥ वासयुष्टुवृष्टुसावनिशा
 मधुवन्दने लंयनः ॥ धथवृग्यारुवकनिष्टाययद्वलः ॥ यिरुविदधिवीस
 वा ॥ दगुविष्टुवद्वुनी ॥ जीष्टुगव नु ॥ धीष्टुदगुवलरुवमर्ग ॥ जीवकयक
 दगुज ॥ कोदरुनडी ॥ लयात्रिरुकिवर्णः ॥ लधत्तस्यवधुक्कवल्लेख ॥ धीष्टुनथरुष्टुनाग ॥ कर्त्यागादिनिरुकिनेलमसिलं गधुयदेसाधिर्ग ॥ यिष्टुधाल्लिल्लेखलेकजलग
 गालं ॥ यागनथवालंका ॥ ७ ॥ सयः ॥ कर्णवर्णवे ॥ अः ॥ सधलंयनिम्वयय ॥ यष्टीमधुकयकन ॥ किष्टुद्वनसयिमा ॥ वडावधगर्णवे ॥ धाष्टुनकोडसमचिर्ग ॥ शागकिपायय

काशीयः गेल म वं यसाधन गेल वध्वा ननद्वय वल मशी नम वय ॥ गोवाडीय ॥ ॥ नक्रमालस्य यगति नरुत्तानि रुलानि व ॥ समनाया ध्व यगति यटा ला विद्यु यास्तथा ॥ इद
 विड म धूमिष्ट मधु के तिक बाहिनी मज्जि स्वाच न नाशी व मत्य लं भ विवा विट् ॥ न ग र्वा कार्मिके नाले भय न यस्त विपा वय ग ॥ इद वल यल म न ग य ना जी विल्ल धन ॥ सद्य चि न
 वल्ल ना क क न उल्ल मि दं ॥ क न जाडीय ॥ ॥ यथा धुनी कमज्जि स्वा म धुकाशी न य द्य के भ सरु विड ॥ ॥ स र्थि ॥ स की वं वल ना यल ॥ यथा धुनी काडीय ॥ ॥ नि
 कासिक निष्ठा यष्टी न का क रू ल यल्ल वे ॥ यथा ल मान नी निस्व यने वल य गे ल गेल ॥ यसा द म नु य ग रू न ल्ल न रु ग ॥ चि न वल यल म ना वि य नी ग म ल्ल ॥ वि य
 यल्ल विपा वय ग ॥ क ल्ले कु भ ना या मा म् योष्टि का म कि का सु व ॥ न ग द क्क व के गे यथा धुनी कमधु के का का लो दो स च न न ॥ सि ड म गे ॥ स मे ल्ल गत्य वं वल ना य न ॥ यथा धुनी क व द्द गे ल ॥ ॥ इ द्वा स्वे व स स सि ड् वा गे ल क ल्लि ल्ल क न वा ॥ दा वी ल व द्ध क
 क ल्ले न य ध न वल ना य न ॥ य ने व वि धि ना गे ल ॥ य न गे न व सा ध य ग ॥ व क्क पि ला रु वं क्क ल्वा स र्थि व वा व वा न य ग ॥ इ द्वा गे ल ॥ ॥ म धु मिष्ट म धु के ला धु सरु व स गे थ

॥ मज्जि स्वाच न न मृ द्वा पिष्ठा स र्थि विपा वय ग ॥ स र्थि वा म मि द ग्ग च ॥ म न डा य न मि द्वा ग ॥ मज्जि स्वाडीय ॥ ॥ सि ड् क ल्ल क वा या र्थि या गे ल्वा क द्द गे ल क ॥ द द्वा वल न्ना
 ॥ अ व दा रु वि ल्ल ठ ना श न ॥ या ठ ली गे ल ॥ ॥ व न्द न व ठ म ग के मज्जि म द्वा म धु के न था ॥ यथा धुनी क इ द्वा च य ग गे धा न की ग था ॥ उ न गे ल वि य क्क व ॥ स र्थि की व स मा य ग
 ॥ अ सि द ग्ग वल ॥ लु द्द म क ल्ल डा य न य न ॥ च न ना य य के ॥ ॥ म न गे ल ला ॥ स मज्जि स्वा स व ला व ज नी द्द र्थ ॥ य ल य ॥ स द्द न को ड स र्थि धु डि क न ॥ य वी ॥ अ था व ज स क
 ॥ सी र्ति रु ला क स मा नि व ॥ य ल य ॥ क न्ना का म् स द्द न व न व त्ति वि ॥ काली य क न ना सा लि रु का ला व सा ल म ॥ ल य ॥ स र्ग म य व स ॥ स व द्ध क न व ॥ य व ॥ अ उ य दा ष्ठि
 ॥ ० ॥ ना जी ना ग ति म न्ति य ॥ स ल्ल म्वा द्वा क म वि ट् ॥ स र्थि वल क म क्क र्थि ॥ ॥ ॥ नि व ल स द्वा व ल स र्थि वि कि ल्वा थि वा क
 ॥ ॥ य ल य य ॥ ये हि की ति ल म ज्जि स्वा ना ग द न्नी नि ष्ठा द ये ॥ धु मि का ति ल य द्वा क नि ड् म्वा वि द्द स र्थि व ॥ स ल्ल ज्जी ति ल म धु के ल य य चि न ॥ धि ना ॥ अ ल म्वा ध नि ष्ठा काला ॥ इ द्वा क को ड
 स र्थि ना ॥ स र्ग व हि व ल या द्वा ॥ ॥ ध न ना ग ति ना श नी ॥ यथा धुनी क ल व द्वा द ना क लानि द्वा ग स व त्ति व ल क्क म्वा ॥ स र्ग क द्द ग्ग न स गे ल क ल्वा ॥ व ल्लि क्क ना रु चि व ल ना जी ॥ व ल्लि क्क ना म्वा

عالم

[illegible]

लु नाञ्ज रुशसन्धिय साधकभा अरासुलभा ॥ सवस्य उरुस्य उरुस्यि मधुर्लुने ॥ यनि सार्थकियाये ॥ धर्मराय वदा यवग ॥ रायनेनिय थायाक ययन नग थरि मक् ॥ वागद्या ॥
 धिविनिदिष्टान्नेला यनयियाउयग ॥ नगी नगी गिला नु लौ ॥ धान वासय दक्षि नउल ॥ दिवा दिवेवसेयाथ ॥ नीवलय विरावयग ॥ नगीयसक नगीरु तावय दधका म्बना ॥ नग ॥
 ययन ॥ यी गानसय आधुयि द्रियक ॥ काका ल्यादि ॥ दधुग मजि द्वाधनि ॥
 ॥ यीउ नाथथके लु यी सवम ॥ धे ॥ नयय ॥ चरु ॥ धनययसा ॥ नुले विययग ॥
 लयकी नीव ॥ काममनी सम धुलिका ॥ यिद्व ॥ अठके वेव ॥ यासका यी वधमि ॥
 यकय कयागे ॥ गाल ॥ धन थदिगे ॥ मन्थास ॥ मिनी ॥ ग ॥ क ॥ धुल ॥ रु नुग ॥
 यी वासु ॥ धनसा ॥ वृद्धि वनेने वा यजायगे ॥ मूखे वय द्युगिर्म ॥ सवगन्धिसमीवर् ॥ गन्धनेल मिदे नामा ॥ सवदा नविका वनू ॥ बाजा माथे सुक ॥ रु ॥ बाजा मव विव केले ॥ निल ॥
 सम ॥ वग ॥ मिलिगे ॥ धु मिश्रगे ॥ ग ॥ धनेले ॥ ॥ लवर् ॥ कठके ॥ कावम ॥ मधुन ॥ मागये ॥ द्यायासे वनस ॥ वेग ॥ रु ॥ अ ॥ व ॥ कात्रम ॥ वच ॥ ॥ ॥ निरु ॥ विवि ॥ साधिका ॥ नभा ॥ ॥ वागा ॥ रु ॥ य

सयि वमने ॥ धभा ॥ ल ॥ व ॥ रु ॥ य ॥ यि ॥ ल ॥ व ॥ य ॥ मा ॥ का ॥ व ॥ रु ॥ स ॥ वि ॥ व ॥ न ॥ वा ॥ य ॥ ॥ य ॥ न ॥ म ॥ ल ॥ य ॥ क ॥ म ॥ रु ॥ नि ॥ व ॥ ल ॥ सि ॥ वा ॥ य ॥ ध ॥ न ॥ ॥ व ॥ रु ॥ दा ॥ य ॥ ॥ सी ॥ सा ॥ ध ॥ रु ॥ य ॥ व ॥ रु ॥ सी ॥ न ॥ क ॥ गा ॥ या ॥ ल ॥ न ॥ ॥
 ववावासायठालाना निम्वस्यरु ल नीत्वव ॥ कमायामधुनायीगा ॥ वाकिरु लमद नाचिगे ॥ य ॥ क ॥ मा ॥ य ॥ ॥ वि ॥ व ॥ न ॥ य ॥ या ॥ क ॥ यी ॥ वि ॥ व ॥ नी ॥ रु ॥ ल ॥ रि ॥ के ॥ ॥ य ॥ ल ॥ या ॥ ना ॥ रु ॥ सी ॥ ना ॥ य ॥ रु ॥ क ॥ नि ॥
 रुना ॥ दा ॥ या ॥ सी ॥ धि ॥ ना ॥ य ॥ या ॥ सी ॥ स ॥ य ॥ सि ॥ दि ॥ रु ॥ व ॥ नि ॥ ग ॥ या ॥ ॥ म ॥ न ॥ ॥ ग ॥ ल ॥ ल ॥ म ॥ नि ॥ व ॥
 रु ॥ ॥ य ॥ ध ॥ नि ॥ यि ॥ द्वा ॥ व ॥ रु ॥ ल ॥ स ॥ ग ॥ क ॥ ल ॥ य ॥ ध ॥ न ॥ य ॥ थ ॥ का ॥ क ॥ मा ॥ द्वा ॥ ॥ ग ॥ ला ॥ क ॥ म ॥ रु ॥ स ॥
 दने रु विद ॥ नि ॥ धा ॥ वि ॥ ठ ॥ ग ॥ क ॥ व ॥ वी ॥ व ॥ क ॥ ध ॥ य ॥ नि ॥ ध ॥ रो ॥ जी ॥ ल ॥ ध ॥ न ॥ ॥ ग ॥ ल ॥ वी ॥ म ॥ भा ॥ सा ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ सु ॥ वा ॥ रु ॥ ख ॥ दि ॥ वा ॥ ध ॥ व ॥ ध ॥ ॥ व ॥ वा ॥ रु ॥ व ॥ ध ॥ वि ॥ व ॥ ग ॥ नि ॥ रु ॥ सी ॥ ल ॥ ला ॥ न ॥ के ॥ ने ॥ नि ॥
 दि ॥ ना ॥ ॥ रु ॥ न ॥ ॥ ग ॥ मि ॥ रु ॥ या ॥ गी ॥ य ॥ न ॥ व ॥ य ॥ पि ॥ द्वा ॥ सि ॥ द्वा ॥ य ॥ वी ॥ स ॥ म ॥ य ॥ ने ॥ ल ॥ य ॥ का ॥ ॥ ध ॥ य ॥ द ॥ रु ॥ रि ॥ य ॥ जा ॥ य ॥ या ॥ ॥ रु ॥ ॥ रु ॥ नि ॥ रु ॥ ध ॥ नि ॥ व ॥ कि ॥ ला ॥ ॥ स ॥ व ॥ न ॥ रु ॥ कि ॥ ठि ॥ म ॥ स ॥ द ॥ ॥ रु ॥ ग ॥ न ॥ द ॥ ना ॥ ध ॥ य ॥
 यची सया मी रु न ॥ य ॥ य ॥ य ॥ न ॥ धि ॥ वा ॥ च ॥ ना ॥ ॥ म ॥ न ॥ ॥ ग ॥ ल ॥ ल ॥ व ॥ रु ॥ ठ ॥ जा ॥ ल ॥ रु ॥ सी ॥ स ॥ ला ॥ म ॥ स ॥ ॥ रु ॥ ग ॥ रु ॥ क ॥ व ॥ रु ॥ ॥ य ॥ नि ॥ ध ॥ रो ॥ जी ॥ क ॥ व ॥ वी ॥ न ॥ मू ॥ ली ॥ रु ॥ ध ॥ नि ॥ सा ॥ ध ॥ नि ॥ रु ॥ वा ॥ उ ॥ क ॥ न ॥ ॥ य ॥ ला ॥ नि ॥

रुकि विवकावानुवधिनी ॥ सज्जनससिधुसर्वे सुउमधुमदिगारुगिनिर्क ॥ सद्य नैसिद्धकमनय यद्वयादसूठ नादं लैयदं सिद्धं ॥ अत्र लुङ्ग काशमर्दश्चक्रमर्दनिधायनं
 मानिस न्कन उल्लापि मस्तु कीडिक य विने ॥ कङ्क कङ्क जयत्कम् ॥ सिद्धनैक यथा जयन् ॥ कामलसिंहास्यं दलसनिर्गं सनराज लैनयिष्टं ॥ दिवसगुण नियनं कययनिक
 ह्वं विलयनमगुणद विडा कल्लसंयुक्तं ॥ ममूगुण यलदयं ॥ यिवेन्नवः का
 वेव यथ ॥ ममूगु साधिना ॥ यिवनिसकटं गैलं गन्धयायास हृष्टं वदीकि
 यो कामयुक्तामनू ॥ निधस धाव मधका कमाची यरे ॥ सदा द्वाययना
 हृष्टं मदिषन वनीत संयुक्तं वदस ॥ लयाचिरुक्रिया मागैलं कवदीन
 मयं ग ॥ नत्ता न कदी यिस धर्क मूलं जी र्मुद लय्य वधशख हृष्टं ॥ उल्लं सज्जनं लवधनिय ॥ कावदयं लीगलिकाधय ॥ सदा कटु ग्रायन मायस कलला
 कया नदिदिने उल्लं य ॥ उल्लं किलासतिले कालं कव ॥ ममूगु ममूगु ममूगु ममूगु ॥ विषव न्कल निडा विगु कांम वधूम ॥ नलमनिवद्वं जीवमर्क सुहाय्य ॥ दह

१००

नियतिनमागीरु कङ्कजा नीव लबा ॥ निसमिवसवाया कङ्क रुक्माविमूक्री ॥ सधं कलं बाखासविठं गसानास विषलीकासदुगासमूला ॥ सायामला सामलकासनेला ॥ सदा विज
 द्वा निनिदुक्रि लीला ॥ नीव ल कङ्क नयनी नदहाय ॥ सामनाजी नियमनखाद ॥ समत्सर्वं कङ्क निलं दिनीयं ॥ सनामनाजी वयूयातिलगु ॥ यमसवी कङ्क ववाविषा विजं
 निनिदुक्रि लीला ॥ नीव ल कङ्क नयनी नदहा ॥ वा रुजी दीवगु ॥ जीवराजा
 मिदं यान कङ्क दद विनाशनं ॥ अत्र लुङ्ग जाडो ज कर्क यीत्वा का धूलवाविषा
 म्मे ॥ उमक वाथा ॥ त्यक्ता निदुक्रि कङ्क यिदं डैष्टं ॥ नवक वाय ॥ ॥ रुल
 यं वचनदानं मूर्धा ॥ कडा कलिङ्गाधयना मूर्धु ल्या मरुका वायाज गनियसि
 अरु निडा दयं ॥ गायना गिरु लाम् गा सकटका वासा ववा रुजी ॥ मज्जिष्ठा निविद्या दनालरुसमानि म्मा विषय चिकि ॥ आधि गज विरुटा सद्रा रागी समुत्सायना ॥ मूर्धवि वय
 गल यन सदिना नकं गन्ध वचनं ॥ म्मा माययं गन्ध विवाकि मिदना ॥ मयलि कासंयुता ॥ ममूगु ल मरुका वायम वृक्ष ॥ यिव द्य ॥ यमान् गत्या दहा दानि नागमविना

धपियकृष्टं नैलमनस्यस्य ॥ मविचाईनेल ॥ ॥ मविचैरुदगादानी ॥ दावमार्कसदुदस ॥ दवदानुदविदद ॥ मासीकृष्टसचन ॥ विष्णुलाकलवीनके ॥ रुविगले
 मनःशिला ॥ विरुकोलीगलाखाय ॥ विरुगचकमईके ॥ शिनीयकठअनिम ॥ सययल्लुसुलसुगा ॥ श्याकानकमालाद ॥ खदिनैपियलीवचा ॥ गेआयनीययविका ॥ द्विअस्यदि
 यलीरवग ॥ मारुवीकठनेलस्य ॥ मसुनैउचउरुर्ष ॥ मगयागेलीरुयागुव ॥ ॥ नेमृदमिनायवग ॥ यस्तानेलवर्ष ॥ नगसुक्रयलोसिकानवल्हान ॥ यामाविचविका
 दद ॥ कलुविस्ठठकानिच ॥ वलयल्लिर्नचाया ॥ नीलशुङ्गेनथेवय ॥ क ॥ गनयलस्यकि ॥ सोरुमायके ॥ ज्ञायनेयय ॥ यथमव ॥ यसिल्ली ॥ यासीनस्यनिदी ॥ १०५
 यने ॥ यनामग्रिउनीयायनसुनायानि ॥ विविर्षा ॥ वलीवर्द्धसुर्ष ॥ मवाग ॥ आवाश्याधियातिग ॥ गिलिनत्यजने ॥ दूरि ॥ नवत्मा ॥ नविकर्म ॥ दुरुत्तमविचाईनेल
 ॥ ॥ नकमालंरुविदद ॥ रुक्मिणगवमवच ॥ कववीच ॥ वचाकृष्ट ॥ मासु ॥ ठावकचन्दन ॥ मार्वागीसययल्लु ॥ मज्जि ॥ सिध्वाविष्णु ॥ नमामदयलानगागान
 विमस्यापियलीरवग ॥ चउरुर्ष ॥ लगवामू ॥ गेलविचाययदिधि ॥ विरुके ॥ विस्ठठकिटिर्म ॥ कीठलूगाविचविका ॥ कलु ॥ कलुविकाना ॥ यवल्हविमदुमिका ॥ विमनेलमिदना
 मसुवल्हविष्णुधन ॥ विमनेल ॥ ॥ धनकनवीच ॥ मसुगकाविर्नचगे ॥ उरुर्ष ॥ नेलयोग ॥ सिद्धायसमगा ॥ विमजा ॥ कववीचाईनेल ॥ ॥ धनकनवीचमूलवि

भाषसेसाधिगवामू ॥ चमृदलसिधायामाविस्ठठकिमिकिठिमजिले ॥ ॥ धनकनवीचाईनेल ॥ ॥ सिद्धाईयलीपिष्णुजीवस्ययलीगथा ॥ कठनेलान्यन ॥ ताने ॥ सयया
 मारुवायना ॥ सिद्धाईनेल ॥ ॥ सिद्धनेचन्दनमासी ॥ विरुगवजनीदय ॥ पियरुययकैरु ॥ मज्जि ॥ खदिनैवचा ॥ जाल्लु ॥ निरुलानिम्ब ॥ कवउ ॥ विममवच ॥ क
 सुथरुकलाध ॥ ययनाउवसेरुव ॥ ॥ कृपिष्णुनिसद्वानि ॥ याजयलेल
 धने ॥ वरुपिलाठना ॥ नि ॥ आभन ॥ वैविध ॥ चरुन ॥ मरुसिद्धादिनेल ॥
 यने ॥ मारुदिवयाकनेल ॥ ॥ खरसनउदवाया ॥ यवलेल ॥ चउरुर्ष ॥ क ॥
 निष्णयुर्ग ॥ मनःशिलायुर्गवापि ॥ यामाक ॥ दिनाधन ॥ रुक्मि ॥ नेल ॥ ॥ गे
 सुवल्ह ॥ रुक्मिठिमायदानि ॥ गलुकाईनेल ॥ ॥ विरुकस्याथनिर्ग ॥ रुयमालस्यमूलन ॥ यक्रात्यकादामनाच ॥ ययया ॥ सासासा ॥ सुसने ॥ वायध ॥ लरुगुलानस
 नक्षवपीज ॥ तामेसमृग्मा ॥ कयययययय ॥ ॥ यामित्ताससवाया ॥ लिलिमु ॥ यवादय ॥ यवा ॥ लिलि ॥ क ॥ क ॥ जीगली ॥ रुक्मिनी ॥ दिने ॥ ० ॥ ॥ निरुदुविमधिकार
 गलुका ॥ रुक्मि ॥ ३

विकाशं वसुधैव कुटुम्बकम् । विदुषां न लिख्यमानं न मृद्वि । ध्रुवि सवद्वानि वायविलगदधिसवसहिने । कुवलयदलचन्दनाशये । मुखकमलकान्तिकाशीरुज्ज्वलितकजिनि । रुवि
 डाद्वययश्चाङ्क कालीयककुचचन्दने । यथासुनीकमञ्जिष्ठा । यद्ययद्यककुम्भे । कयितुनिन्दकयुक्कवठयने । यथाचिने । लययत्कल्लिने । ने । ने । लीवात्तु । ने । यथा । ग ।
 यियवनीलि कांशुर्गविलकाभूखदुषकान् । नित्यसवाजयक्रियमुखकु
 च्चभात्तलकेशये । कुनकुनामगले । मुखकान्तियवयव । गालीवृथ ।
 छिक । कर्षयमा । लेखने । सु । ने । लस्यकुर्वयथा । ग । ऊययसु । दिगु । शने । मु
 तवर्जिते । सयवागुयथा । मन । रुवत्का । नसचिरे । ग । ऊमाशने । ल । ॥
 ली । च । अ । धयादायु । कस्य । ७ । अ । यद्यक । केशवे । दिव । के । मूलसहिने । क । माये । य । ध । क । लिके । श । लारुके । वियक । श । याद । ल । वमवा । ड । व । ग । म । डि । स्यामधु । क । लाका । य । गुं । ग
 मधुयष्टिका । क । र्षयमाने । ने । ने । सु । ने । लस्यकुर्वयथा । ग । ग । जा । की । व । ग । दिगु । श । ने । मु । द । शिनायव । ग । स । श । क । र्क । य । व । द । न । ल । र । व । को । व । र्षयसादने । नी । लि । का । यि । उ । का । शी । ग । न । र्थ

चिह्निका ४

गदवनाशये । ग । सयवागुयथा । मन । रुवत्का । नसचिरे । ग । ऊमाशने । ल । ॥
 ४ । क । र्षयमा । लेखने । सु । ने । लस्यकुर्वयथा । ग । ग । जा । की । व । ग । दिगु । श । ने । मु । द । शिनायव । ग । स । श । क । र्क । य । व । द । न । ल । र । व । को । व । र्षयसादने । नी । लि । का । यि । उ । का । शी । ग । न । र्थ
 ग । य । ग । सयवागुयथा । मन । रुवत्का । नसचिरे । ग । ऊमाशने । ल । ॥
 ४ । कुसुम्भे । मधुयष्टिव । रु । लिनीमदयनिका । द । नि । ल । वाचनाय । म । त्यल
 युक् । वि । या । च । य । ग । ऊ । कुमाशने । दि । ने । ले । म । र्थ । ग । न । अ । ना । य । म । क । वा । नि । व । द । ने
 ॥ मधुकीचन्दने । क । हे । स । र्षय । य । द्यक । ग । था । क । ल । के । ये । रु । वि । डा । च । ला । ध । म । नि
 चानल । य । च । ग । न । लि । ड । मि । लि । य । य । क्रि । ष्ठा । य । क । र्षय । ल । ग । न । ग । द । लू । कि । र्वा । ना । म । द्य । ग । व । कु । य । सा । द । ने । ग । न । ना । त्या । स । लि । य । च । व । लि । रु । न । म । यि । कु । मा । न । नि । श । क । ल । के । सु । वि । श्वा । र्ष । त्या । दि । ल ।
 सवगीमुखी । वे । र्षु । के । व । द्य । ॥ ॥ ग । र्मि । का । यी । न । वि । य । च । सि । क । सि । वा । य । ध । ना । थ । उ । ली । क । सा । वा । नि । श्वा । म् । सि । क । सि । य । सि । य । ल । या । द । या । स । वा । व । र्ष । व । स । से । न्ध । वा । र्था । ॥ य । ना । ल । म । थ ।
 काका । ली । द्वय । म । द । व । जी । व । का । र्क । की । ग । था । म । डि । दे । दि । ल । ने । स । र्षे । का । का । ल्या । दि । रु । नि । स । ग । ॥ ॥
 यज

धनुववा ॥ मुखया कबूसकोड ॥ ययाका मुखधवन ॥ स्ववस ॥ कथिगादाया ॥ यनीरुगावसक्रियासकोडा मुखया गभष्टक ॥ दाबनाजीवलायका ॥ सयकुदाहीवयठालमस
 रुवीतकीतिककवाहिलीरिभाय ॥ सुका नजदूमवन्दन ॥ काथेयिवत्याक रुवमुखस ॥ यठालछुछातिरुलाविशला ॥ गायनिकिकादिनिशमृगानी ॥ यीग ॥ कवाथामधु
 नानिरुकि ॥ मुखस्त्रि ॥ नृत्थास्यगगन ॥ लमान ॥ कथिगाहिरुलायाभमृडाका
 कवाकीवमवव ॥ सकोडादयवकुस्य ॥ गलुयादारुयाकमृगा ॥ गेलनका
 न ॥ गियुतिगध ॥ रुवगिसुवाललुनगन्धक ॥ उलाधुगीलेनीसहावलस्य
 केशकलेवनकाखदिवविमद ॥ जम्हाययसीमुधुकात्यलानी ॥ गहेलम
 ललगमतिनवमाया ॥ थखलु ॥ कवाशगायाधेठके ॥ रुतिनि ॥ काथवदुर्थ ॥ लखल ॥ काथनगनमनिमान ॥ गेलस्यार्जनेवियवग ॥ कले ॥ नृकसर्मा ॥ लेमकि ॥ लाधुमध
 कानी ॥ रुविमखदिवकदुललाका ॥ च ॥ अधमसुसु ॥ ला ॥ कथुवा ॥ रुवयद्रक ॥ लव ॥ ग ॥ क ॥ ल ॥ जा ॥ नी ॥ रु ॥ ल ॥ य ॥ ल ॥ ग ॥ मे ॥ वि ॥ क ॥ व ॥ ग ॥ ग ॥ उ ॥ स ॥ रु ॥ म ॥ ध ॥ न ॥ की ॥ ना ॥ ॥ सि ॥ ड ॥ ति ॥ ग

३३
 विदशादिदीमुखालक ॥ यवा ॥ ग ॥ य ॥ लि ॥ श ॥ द ॥ क ॥ वि ॥ ड ॥ धि ॥ ले ॥ शि ॥ व ॥ शी ॥ ग ॥ दि ॥ द ॥ न ॥ रु ॥ थ ॥ य ॥ ॥ कि ॥ मि ॥ द ॥ न ॥ द ॥ व ॥ ल ॥ य ॥ लि ॥ ग ॥ य ॥ रु ॥ रु ॥ मा ॥ सा ॥ शी ॥ रु ॥ य ॥ म ॥ ख ॥ दो ॥ ग ॥ न्ध ॥ का ॥ र्थ ॥ य ॥ रा ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ म ॥ य ॥ ग ॥
 लमिद ॥ रुविमदाश ॥ गेल ॥ ॥ गेल ॥ ला ॥ का ॥ व ॥ सी ॥ का ॥ व ॥ ॥ य ॥ थ ॥ क ॥ य ॥ रु ॥ सी ॥ म ॥ य ॥ व ॥ ग ॥ ॥ व ॥ रु ॥ रु ॥ ॥ वि ॥ म ॥ का ॥ थ ॥ ॥ ड ॥ थ ॥ रु ॥ य ॥ ल ॥ स ॥ र्मि ॥ ग ॥ ॥ ला ॥ ध ॥ क ॥ द ॥ ल ॥ म ॥ कि ॥ रु ॥ य ॥ अ ॥ क ॥ ल ॥ न ॥ य ॥ द ॥ के ॥ ॥ व ॥ न्द ॥ नी ॥ न्ध ॥ ल
 य ॥ रु ॥ क ॥ ॥ रु ॥ ल ॥ ग ॥ लु ॥ य ॥ ध ॥ व ॥ ल ॥ ॥ द ॥ ल ॥ न ॥ द ॥ न ॥ य ॥ ल ॥ रु ॥ ॥ द ॥ न ॥ म ॥ र्क ॥ क ॥ य ॥ लि ॥ की ॥ ॥
 वाम ॥ ला ॥ का ॥ दि ॥ रु ॥ ल ॥ ॥ ॥ सी ॥ यी ॥ श्र ॥ द ॥ श ॥ ने ॥ ग ॥ रु ॥ म ॥ ल ॥ स ॥ म्भ ॥ क ॥ य ॥ ध ॥ वि ॥ र्ग ॥ ॥ ना ॥ श ॥ य
 व ॥ रु ॥ ल ॥ व ॥ रु ॥ ल ॥ वा ॥ डि ॥ क ॥ रु ॥ वि ॥ मा ॥ स ॥ न ॥ ॥ न ॥ य ॥ क ॥ य ॥ य ॥ क ॥ रु ॥ रु ॥ ॥ गेल ॥ य ॥ रु ॥ मुख
 लि ॥ का ॥ रु ॥ ल ॥ शी ॥ न ॥ क ॥ का ॥ म ॥ का ॥ ल ॥ ॥ मि ॥ का ॥ नि ॥ य ॥ दि ॥ व ॥ स ॥ रु ॥ ग ॥ क ॥ मा ॥ य ॥ रु ॥ ल ॥ सी ॥ का ॥ नि ॥ द
 रु ॥ यि ॥ रु ॥ न ॥ द ॥ न ॥ स ॥ रु ॥ का ॥ व ॥ व ॥ स ॥ न ॥ रु ॥ ॥ लि ॥ श्र ॥ य ॥ थ ॥ रि ॥ ल ॥ वि ॥ गा ॥ रु ॥ ति ॥ का ॥ वि ॥ द ॥ शा ॥ रु ॥ सी ॥ य ॥ स ॥ था ॥ व ॥ द ॥ न ॥ सी ॥ व ॥ रु ॥ व ॥ ल ॥ रु ॥ गी ॥ ॥ स ॥ रु ॥ का ॥ व ॥ ठि ॥ का ॥ ॥ ॥ ॥ ख ॥ दि ॥ व ॥ स ॥ रु ॥ ला ॥ स ॥ म्भ ॥ क ॥ ज ॥ ल ॥ डा ॥ रु ॥ वि
 वा ॥ य ॥ य ॥ ॥ रु ॥ ग ॥ मा ॥ रु ॥ ता ॥ ग ॥ न ॥ ग ॥ ॥ य ॥ नि ॥ वा ॥ य ॥ य ॥ दा ॥ य ॥ य ॥ ॥ जा ॥ गी ॥ क ॥ य ॥ रु ॥ व ॥ य ॥ म्भ ॥ नि ॥ क ॥ रु ॥ ल ॥ क ॥ द ॥ ला ॥ नि ॥ व ॥ ॥ ॥ य ॥ यी ॥ रु ॥ ति ॥ का ॥ का ॥ य ॥ ॥ मुख ॥ सी ॥ रा ॥ ग ॥ व ॥ रु ॥ नी ॥ ॥ द ॥ ना ॥ रु ॥ मुख ॥ वा ॥ ग ॥ रु ॥ डि ॥ का ॥ ना

॥ किं विनाशं गच्छति ॥ कृष्णं यस्यास्य नाना ॥ कावने लमिदं शुद्धं सुखकर्म मया यदं ॥ नृमधुसूक्तं कथं ॥ मधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 लीमूलमवत ॥ मधुसूक्तं विनिर्दिष्टं धनं नाना ॥ निधाय यत्नमास नृमधुसूक्तं मधुसूक्तं मधुसूक्तं मधुसूक्तं ॥ कावने लं ॥ ॥ कर्तुं नाउ कर्तुं नाउ ॥ कर्तुं नाउ कर्तुं नाउ ॥ नादवा ॥
 धियुया ॥ कृष्णं वागधला कर्मो मधु ॥ मधुसूक्तं कावने लं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 ॥ स्वर्जिका मूलकं शुद्धं ॥ किं शुद्धं मधुसूक्तं ॥ नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ यदं ॥
 दलमूलकं मधुसूक्तं ॥ नृमधुसूक्तं विद्यायुक्तं ॥ नृमधुसूक्तं यदायदं वाधियुक्तं ॥
 नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विद्यायुक्तं ॥ ॥ नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 धी ॥ कथिक्तं नृमधुसूक्तं ॥ कर्तुं नाउ कर्तुं नाउ ॥ मधुसूक्तं मधुसूक्तं मधुसूक्तं ॥ मधुसूक्तं मधुसूक्तं मधुसूक्तं ॥
 लयुक्तं मधुसूक्तं ॥ कर्तुं नाउ कर्तुं नाउ ॥ सधुसूक्तं सधुसूक्तं सधुसूक्तं ॥ सधुसूक्तं सधुसूक्तं सधुसूक्तं ॥
 कविशुक्तं कर्तुं नाउ ॥ नृमधुसूक्तं कर्तुं नाउ ॥ कर्तुं नाउ कर्तुं नाउ ॥

सार्द्धं कर्तुं नाउ ॥ नृमधुसूक्तं विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 दानं कर्तुं नाउ ॥ नृमधुसूक्तं विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 कर्तुं नाउ ॥ नृमधुसूक्तं विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 सधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 लं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 सधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥
 वाधियुक्तं नृमधुसूक्तं ॥ विनिर्दिष्टं ॥ धनं यत्नमास नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं नृमधुसूक्तं ॥

लनं कृत्वा चूषुनं येषु न लो ॥ येषु न सा ऊर्ध्वं न नाया ॥ क्रीवला कोड संयुक्तं येषु न विना ॥ नृपि सञ्जा वयुनिक कृत्वा कृत्वा रुववा दाव ॥ न नाका विधे संधये ॥
१ युनिक कृत्वा येषु न लो वस्तु मूल साधिनं ॥ कृत्वा येषु न लो ॥ ॥ विदधे वा यि कृत्वा न विदधे के नु न बर्ज ॥ ॥ गना वनी वा डि गन्ध ॥ ययस्थे वलु वा को ॥ गे लं विय कंस
क्रीव ॥ याली ना यि कृत्वा लं ॥ रुज्ज ॥ येषु न जाग मादि यं क्रीव न न ॥
खन ॥ सु ग य वं ग द र्यं गा न क यो लो ली विवर्द्धनं ॥ कल्के न जीवनी यन गे
युनं स फा रं वा ध च वा सो य नि वा सि नं ॥ न व म ख क न्द येषु सिद्धि क र्क
म धा र्ज संयुक्तं ॥ म धू क न व म डि ह्या ॥ न व गे लं स म न क ॥ क न क धा र्ज
या म्ना द का त्या नु ॥ स का वा न न दू यि नं ॥ न क यि क न य य सा ॥ य म्ना उ व वा वि ॥ न ग ॥ य वि नं कृत्वा न संधि द ॥ न व द न ॥ म धा र्ज न ग ना य र्ज वि व न
संवि वं युनं ॥ क याल दू ल न न ग येषु यं यथा यथा ॥ ० ॥ नृपि कृत्वा ग वि कि त्या धि का न भा ॥ य कं मूली ॥ गे क्री वं त्या धि ग क रु नी ग की ॥ स यि र्गु

१२२

खतं कृत्वा येषु न लो ॥ येषु न सा ऊर्ध्वं न नाया ॥ क्रीवला कोड संयुक्तं येषु न विना ॥ नृपि सञ्जा वयुनिक कृत्वा कृत्वा रुववा दाव ॥ न नाका विधे संधये ॥
१ युनिक कृत्वा येषु न लो वस्तु मूल साधिनं ॥ कृत्वा येषु न लो ॥ ॥ विदधे वा यि कृत्वा न विदधे के नु न बर्ज ॥ ॥ गना वनी वा डि गन्ध ॥ ययस्थे वलु वा को ॥ गे लं विय कंस
क्रीव ॥ याली ना यि कृत्वा लं ॥ रुज्ज ॥ येषु न जाग मादि यं क्रीव न न ॥
खन ॥ सु ग य वं ग द र्यं गा न क यो लो ली विवर्द्धनं ॥ कल्के न जीवनी यन गे
युनं स फा रं वा ध च वा सो य नि वा सि नं ॥ न व म ख क न्द येषु सिद्धि क र्क
म धा र्ज संयुक्तं ॥ म धू क न व म डि ह्या ॥ न व गे लं स म न क ॥ क न क धा र्ज
या म्ना द का त्या नु ॥ स का वा न न दू यि नं ॥ न क यि क न य य सा ॥ य म्ना उ व वा वि ॥ न ग ॥ य वि नं कृत्वा न संधि द ॥ न व द न ॥ म धा र्ज न ग ना य र्ज वि व न
संवि वं युनं ॥ क याल दू ल न न ग येषु यं यथा यथा ॥ ० ॥ नृपि कृत्वा ग वि कि त्या धि का न भा ॥ य कं मूली ॥ गे क्री वं त्या धि ग क रु नी ग की ॥ स यि र्गु

[illegible]

त्यविनात॥ नकाह वीज वृत्ति क्रियं मययं दृक् विवज माय ॥ सेन्धव विरुला कृष्ण कटू काशखं नारु या ॥ स गामुवज सा वृत्ति विवृलुक विनाहनी ॥ चन्दन सेन्धव यथा यलास
 गन्ध ॥ अलिने ॥ कुमकुद मिदं दूर्ध्वं शुक्रा म्यादि वलं खनं ॥ दन्ते दन्ति वलाहय गवाध्याज खवाह्ये ॥ शखमा कि काता विरु ने मविचयादिके ॥ कनकु मयिद्याधि दन्तुक
 नियक्त नि ॥ दन्तवृत्ति ॥ ॥ शखस्यला गावत्वाव ॥ नगाद नम न ॥ शिला ॥ म
 च ॥ गार्थ मधुकसा गावा वीज वाक्य स सेन्धव ॥ मधुनाज नया मय ॥ श्वतः
 के यिय नात्रने यटालं कटू कंदा वी निमबासारुलेखि ॥ ॥ दलाल नीययनक
 गमिन्दु नयसु वियाचयन ॥ कके ह निमकूठजुमसु यष्टा दवन्दने ॥ सखि
 कामलाह नवीस र्थ गलु मालाह रंयव ॥ यटाला र्थ ॥ ॥ कृष्ण विठं ग मधुयष्टिक सिन्धुज म विष्णो मस्य ॥ ययसि सिद्धि मिदं दृगत्या गैलं नृत्त निमिबहु कलि भाकिशून
 याकाय या उयनि नस्य विष्णोययक ॥ कृष्ण र्थ गैलं ॥ मजक पाध गाविद्या धूयाधि ॥ यथा दक ॥ वृत्तं मे मय दूर्ध्वं नृत्त यत्त र्थि बासरु ॥ सेन्धव वाजियादं च ॥ गमावन समचि

विनी ॥ लिह लाका थक लाया सययस्य सुन सुन ॥ निमिनाथ विनाद चारु यीन नन निश मुख ॥ लिह लाय न ॥ ॥ लिह लाया न सयस्य सुन सुन ग व सय
 च ॥ दृष्ट सय च न सयस्य सुन सुन ॥ ग व सयस्य सुन सुन ॥ कजा कीर सुन सुन ॥ काम लया व सयस्य सुन सुन ॥ यस्य सुन सुन समा दय सवेन रिद्यु नय च न ॥ कल ॥ कल मिना
 डाका लिह ला नील मुत्य ल ॥ मधुर्क कीर का काली मधुयस्य निदिष्टिका ॥ न साधु सिद्ध विस्मय सुन सुन ॥ निधय यन ॥ उदयान मधयान मधयान
 न ॥ सयस्य सुन ॥ याव का ने न जा वा म साया दय दय नि ॥ सवक वक दुख व वक वा नि ॥ न यिच ॥ न का न्ध निमिच का व नीलि का यन ला दय ॥ १३०
 कलि न्धा धिम न्ध व यक का य व दा न ॥ न न य ॥ न य सयस्य सुन सुन
 य ॥ सक सु सन दु न द क ॥ गृध दृष्टि क न सय ॥ व ल व ल निवर्द
 लिह ला गु य ली डा का मधुर्क क द बा दि ला ॥ य य लु नी क सय ला दिदिष्टि ना ग व सय ॥ नी ना ल्य ल ॥ निवर्द ॥ ग्राव न न न न नी दय ॥ का मि के य सय सुन
 लि सु ली लिह ला न स ॥ य ग य सु य व द न स व न न न जा य द ॥ निमिच रिदा य मा ॥ व काम ला का व म द ॥ वि सयस्य य द व क ॥ व क सयस्य म व च ॥ खा वि

लीयिय लिने व क लानी यन न न ॥ विवक नाम म्मि ॥ सुन सुन सुन ॥ क य व द क वा वा म न न न न व व ल जा ॥ ग न स वा ना य सय सुन सुन ॥ निमिच य थ ॥ न र व
 स्मान्य न कि विन दृष्टि लि ॥ का ल्या दि लि ॥ दृष्टि यु सा द न दृष्टि य थ सय सुन सुन ॥ लिह लाय न ॥ ॥ रु ल लि का नी व क वा य सिद्ध क ल न य सु म का य सुन सुन ॥ सयस्य सुन सुन
 दु व दु थ ना ग रु चा दि ॥ न दाय निमिच य द ॥ लिह लाय न ॥ ॥ रु द न राज न सयस्य सुन सुन ॥ ग वा स दृ ल्या थ विवक म
 न दृ मा स न न स सय ॥ रु द न राज न सुन सुन ॥ ॥ ग वा स दृ ल्या थ विवक म
 सुन सुन ॥ जा व क र को म द डा का सु म नी नि नि दि का ॥ व रु नी म धु क व
 न्य सयस्य सुन सुन ॥ सिक ॥ यिष्टि ॥ न ल म्मा य दि वा सयस्य द ला की र व रु
 द न थ ॥ सुन सुन ॥ लिह ला ना य नि व नी लि का व ग ॥ मुख ना स सा दो ग न्ध य लि न थ ॥ काल ज द न सुन सुन ॥ का ल सयस्य सुन सुन ॥ सुन सुन थ य न न ॥ मुख स म द र
 द ॥ ना ग वा द गु द लि व सुन सुन ॥ ना ग न थ ॥ रु द न राज न सुन सुन ॥ नि वि व स ना य नि ॥ न य व ल न ग ली सुन सुन ॥ ॥ न ल सयस्य सुन सुन ॥ उ व म धु क सयस्य न क ल यिष्टि न ॥ काम

मायुक्तं जीवद्विभुतिर्निवृत्तकान्तकालानिमान्दशान्कलादुच्चवसस्मिन्नान्जीवनीयानियान्प्रोयसीवन्दनयद्रकोऽथर्द्धावात्मसुकाचवलागवत्त
 तथाऽप्यनयस्त्रीयुद्धं विदानीऽपि वादयं॥१॥ क्ववास्वममायया काश्चिन्मन्त्रलानिचसम्यक्किर्द्धुविज्ञाय नद्युनेकवगानयन॥१॥ वक्रपित्तविकाथय वागपि
 त्वदुग्धयुक्तवागवक्रकृत्यकाशी क्षमं लिङ्गासुदुस्वर्वा॥१॥ गंगादादंशिवा
 मयतितास्तवस्मिन्निर्वयथा॥१॥ वृद्धवृद्धावनीयुक्त॥ ॥१॥ क्वकवल्कल
 म्कडाकावैयस्वसुसुदाययुक्त॥१॥ जीवकस्यवसनेव कलनाजाद्वन
 तावनी॥१॥ लुलीयकमूलके उद्योयनिऽयना द्विके॥१॥ क्ववाया॥१॥ यनाच
 लंगथावृक्षमुदवर्षसुदुस्वर्वा॥१॥ क्वकिर्द्धुलंकटीधूलं यानिर्द्धुलंयमध्वनिमन्त्राग्निमन्त्रवियासुक्तगताऽक्षसकाशनी॥१॥ कायुऽयविकर्षधर्ष्य वलीवक्रयसादन॥१॥
 ययमन्त्रन्यवसर्पिर्विष्णुनायनिकादिर्न॥१॥ क्वकवल्कल॥ ॥१॥ निवृत्तवचिकित्साधिकारभा ० ॥१॥ यानिश्चायकैस्त्वयिष्टं॥१॥ स्यनकर्मवादजिह्वावस्यर्ष्यगय

३५

जीमोषकयलेयऽपि वृक्षवर्ण॥ ॥१॥ वचायद्रक्तिकाजाजाकृष्णकृष्णकर्मन्धयऽक्षमादायवत्राव विष्टकीर्णकवाचिर्न॥१॥ यिष्टायमन्त्रया लाश्र्वाय नद्युदरुक्तिर्न॥१॥
 यानियाऽक्षर्द्धिर्द्धागुत्तमाऽपि निवृद्धयऽगुह्योतिरुलादन्मि काथेध्ययनिर्वन्दन॥१॥ नगवाक्किनीकृष्णमेन्धवामनदात्रिऽनेलात्यसाधिगाद्याय विष्टयानो
 वजायद्रुक्तापित्तलानाक्तुयानीना सकार्यमपि वृक्षियाऽशीताऽपित्तद्रवाऽकाश्चिन्मन्त्रनार्थयुगानिच॥१॥ यान्याम्बलासदृश्याऽसर्ववृक्षोयुमोयधपियत्तामविष्टम
 यऽक्षगाकाकृष्णमेन्धयऽवर्द्धिस्तुत्यायदंशियाऽक्षयायानिविष्णुधनि॥
 कदावुला॥१॥ पूषिकामासमयुक्तं गेलमायसताविर्न॥१॥ क्ववादाद्विज्याया
 ध्वदुर्लभा दद्यादववत्सयर्द्धाऽप्यनमऽधनेकसुक्तदत्तधद्वय
 लंगवैत॥१॥ क्ववाजिनिनीजम्बुधवत्तयऽवल्कलं॥१॥ क्ववायऽसाधितऽमेरुऽमदुऽस्याद्विष्णुनायनाशा कश्चिन्मन्त्रिकापुष्टयियात्तकायिमेन्धयवसुसुक्त
 ताक्षयाऽमर्द्धवर्द्धाऽमन्त्रिर्न॥१॥ वृद्धवृद्ध उदावक्तानिलादिर्न॥१॥ नदववमदाया चोऽग्न्यायवविधीयते॥१॥ लाश्र्वासासपदिवदक्ष रवसुखस्त्रीकृ

[illegible]

ल निष्ठाया कावने न गत्य च बंधुषु कावालि वसा मुक्तेषु या निष्ठाया
 बलमहर्षिर्नाम नरुलमधुकरा विष्णुनिर्गवनि कामिनी चित्रगलिगया
 सुमेधुर्नरविष्णुमन्त्रावायोनिगन्धविनाशन ॥१०॥ द्वाकृवीजदन्तावयल ॥ ३१
 ॥ संकाशिकं यदा युष्मि रुरुक्षानिष्ठाया दलं ॥ दृष्टा विष्टा वसं गच्छ वनिगन्ध
 कर्णं नमथ कुरु ॥ युष्मि रुरुक्षानिष्ठाया ॥ धृकृकायसु कन्याया विष्टा मूलं दृष्टा
 नायात्वा मन्त्रं ॥ नरुलं ॥ यक्षपिया ल्यालु वरुक्ष मनिर्गवनिगन्ध ॥ ३१

[illegible]

कित्तिकाऽजीवद्वन्द्वेकवर्षायाद्युगमकुटुम्बकगोत्रावस्थानमयमायिवद्विकालामुदायनिर्गारुलद्युग ॥ ॥ सद्वलंष्ट्रिहला सुदुचीसयुनर्वा ॥ ॥ कनाश्रुविद्व
 यासामदासगावनी ॥ कलोहयद्युनयल्लययकीवउकुम्बुर्ग ॥ तस्मिन्मिद्वयिवत्तानी ॥ यानिष्टुल्ययीतिर्ग ॥ यिष्टिगात्रलिगायाव ॥ विसृगाविष्टगावया ॥ यिष्टुयानिष्टविज्ञाना
 खलुयानिष्टुयास्मगा ॥ ययशुङ्कुनाल्लन ॥ गर्गुङ्ककिवासुक ॥ ननुल
 न्वा ॥ ययस्यामधुयद्या ॥ कङ्कलारुल्लय ॥ ॥ विवन्जनीयो ॥ ॥ रुङ्कदा
 मगलिमलिर्ग ॥ द्विमासखदीनीनावी ॥ यस्मात्तानुययाजयत् ॥ सर्वङ्कजनयत्
 था ॥ ॥ गदुस्यथनवा ॥ वन्धुयिवरगयुर्ग ॥ सुवयष्टिगमाभिर्ग ॥ उउगद्व
 द्धननवकुमयरुकिव ॥ ननुनमियगवा ॥ लायगल्लसामर्ग ॥ द्विर्ग ॥ रुङ्कयमरुकोडो ॥ रुङ्कयकाकाश्मथानि ॥ ॥ सामद्युग ॥ ॥ नीलात्यलोहीवमधुकयद्या ॥ दाकाविदाली
 कुशयश्चमूलैऽस्याजीवनीयेत्यद्युर्गवियङ्कगावनीकावसद्रुमिर्ग ॥ ननुङ्कवायादयुर्गयल्लमसुयथमावन्कयिल्ल ॥ कावलेवले ॥ विसिर्गयनङ्कङ्कवयिरुयरा

वसदिगात्री ॥ सगीठिचिगल्याजायनगकुवनीसुठगरुयि ॥ गल्लानुनादिगुसिन्धुयानर्गकयिकर्ग ॥ ॥ रुङ्कमरुङ्कसामस्थ ॥ विरुगानुस्थगाविर्गनि ॥ उउङ्कवास्थुवग
 मदिर्गनिवसकुर्ग ॥ ॥ दममर्गमयास ॥ मूङ्कनैवेनगुलद्यु ॥ गर्गमिर्गविमूङ्कगल्ल ॥ गदनल्लयवनाङ्कसवाङ्कसल्लवले ॥ ॥ मूङ्कयास्थयिवाङ्कमूङ्क
 ॥ सुयनवसमय ॥ मूङ्कसर्वरमङ्क ॥ रुङ्कदिमाचिवमाचिवस्वाला ॥ ॥ जल्ल्यावनमकुल ॥ सफवावालिमलिर्ग ॥ यीत्वायसुयनावी ॥ द्युयाथरुयर्ग ॥ ॥ रुङ्कयययङ्कदल्लनैर्ग
 र्वसुययसुवैरिङ्क ॥ ॥ वसुगुल्लयङ्कवाङ्कनववङ्कयङ्कयुल्लेङ्कमाङ्क ॥ सर्वयथद
 यानीयानयनमर्ग ॥ काववङ्कितयाङ्क ॥ रुङ्कक ॥ ॥ सुखयनल्लमला ॥ ॥ मूलै
 मूलाकमारुमामूङ्क ॥ ॥ रुङ्कवाङ्कन ॥ ॥ ॥ रुङ्ककायिल्लैमदिर्गलाराग ॥ यिवर्ग ॥ सोवङ्कल्लनसैयुकीथानिष्टुल्लनिवावर्गमिष्टुगायाद्विवावलि ॥ ॥ लैमकल्लसैङ्क ॥ ॥ यवकावी
 यिवल्लु ॥ मल्लुभायादकनवा ॥ यियल्ल्यादिगल्लकाथ ॥ यिवल्लालव ॥ रुङ्कचिर्ग ॥ ॥ यावावत्तङ्कयौर्ग ॥ ॥ लिल्लुल्लवालि ॥ ॥ गर्गयानन ॥ ॥ रुङ्कवनिवावर्ग ॥ ॥ रुङ्कल्लयिष्टुवपुल्लय
 रुङ्कसद्युर्ग ॥ रुङ्कल्लनाल्लयोकिङ्किल्ल ॥ ॥ गल्लवगा ॥ ॥ मयययय ॥ ॥ रुङ्कविर्ग ॥ ॥ रुङ्कगानागवसल्लववर्ग ॥ ॥ रुङ्कवङ्कमूलजल्लदल्ल ॥ ॥ रुङ्कलीनमधुसैयुकी ॥ निवावयनिष्टुनिकाग

॥ सः च व दूक्त व मूलं ये कं कठ दा व कल ल स म ॥ जल म र स म ॥ ध व दि गु यु र स म ॥ द श मू ली क ग का थ ॥ स र्ग नि क बा य रं ॥ वि श्व द दू य ला नि वि श
 नि दू ना न्य स दू रं क्री वि न ॥ ख लु स्या ड श रं रि ग धि क वा ल म श्रा ये य ली रं क्रि य न् ॥ धा वा ध न मि ति य थ क य ल दू रं क्रि य नि रं न्या म यी न् ॥ वा ना ला नि व लो ड सा य क ठ न न
 ल मी ति का ये दि न ॥ ख लु लु ॥ ॥ यिय ली यिय ली मूलं च दू लु ॥ य यानि
 य य न् ॥ म म वा न र नं दू रं क र दू रं व दि दी य न ॥ का र्जि कं व दू कं ना म ली ॥
 जी व कं रू य वा ध न् ॥ ग ना द्वा व द वा नि च ॥ य वा नी गु र का दि गु य ली का को म रं
 न्या ड उ र य ली ॥ क स नू कं ना ग रं वं क रं च दू दी य क म व च ॥ सु उ स्य च श रं द
 य ॥ सु नि का नी य स त्थ रं ॥ ग री थि नी ना ना नी ॥ वं रू ला य लु मा नू रं ॥ वि श मि श्रा य द्वा यानि का श ॥ स स थ व क र्य ॥ रु नी म कं या लु वा ग दी ग न्ध दू दू म र गी ॥ रु नि यी ना न ग क
 वा श य द्वा य श्रा य रं क ल ॥ उ य था ग रि यानि र्थ ॥ म ल द्वा म ल व डि गा जी व क सु उ ॥ ॥ व न क था सि क कू ल मूलं सो वी व क न वा ॥ वि दा वी क न्ध स र या ॥ वि व द्वा क न्ध व ड न ॥

॥ १४०

दू र न ली ग ल ल दू र्ण यानं वि र्द य न ॥ स र्ग स का रं ला का व स ॥ वि न्या लु न ग य ॥ रु नि द्वा दि द्वा व द्वा दि द्वा ॥ यि वं लु च वि दू य ॥ स र्ग वा ना ल क रू र्थ ॥ द श मू ली ज ली यि वं ॥ वि
 रु दू रं मू ग री नू य डी लं नि स च न्द न ॥ ध री ज स मा स थ यि वं ॥ द्वा थ यी ला स स नि वा ॥ ध री लु च वि दू र्थ मू र्ण दू म व सा य ल ॥ रा गी दा नू व द्वा या ॥ यि वं ला नि वि वा ॥ ग
 ॥ ज कू ल म रू क मूलं च वि न मा स थ वि धा नि रं ज य नि ॥ स या द्वा क न काल
 नं व दू ध वि ध न ॥ म म वि दू नि र थ व ग र व या कं स र्था रु नी स र ग म व
 य स थ यि रु ना लि द्वा ॥ मू र्ण द व स या लू क व ग ज म दि म मां स दू र्ण स य न या ॥
 व ना ग व ला ॥ यि द्वा म र्ण न था म र्ण यानं क ठि नं रु नं क र ग ॥ श्रा य ली व स क
 र्ण र वं या गी य या ध री ॥ श्रा य ली ॥ ॥ का सी स र व ग ग न्ध स व ग ज यि य ली वि य क न रं लं न ॥ या नि न र्थ रु ना य य नं य व र्म ॥ न नू क वा मि म ध म थि रं न मा ध वी मूलं स्य
 सि थि ला य च म र्ण स नि म या द्वा र्थ ग ना यानि ॥ ग व रु न लि न व न्ध न व द्वा रं गा ठ ना दि द यि रं न ॥ न स थ य व ला द्वा य ॥ य यी स रु ज ॥ दू रं थ वा या र्ग ॥ द ल व दू र रू वि द्वा या

पाशुसिगवलासूलीययकचायिद्वंद्वमनिद्वंद्वरुद्रं ॥ १०० ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद
 वालस्यदाययगु॥ सुचातावेययद्वर्गं गद्यं वागद्वर्गं यिद्वं ॥ नर्कधसुठिकानर्क निवायकद्वर्गेलक ॥ नर्कलं यानगादकि वालानीमृत्त्वत्तद्वर्ग ॥ शायसिनेभागवजनी
 कल्कस्यायीनमथययसा ॥ नर्कनिधधुनूकयद्वर्गं वालस्यचायसू ॥ मृत्ति
 नाहियाकनिधलाधु ॥ यिर्यसुमधुके ॥ नर्कलमथयनं नर्कमंतिवायिवृ
 वालिष्ठिकानिर्य ॥ सयदलपुममनिचयिद्वं ॥ मभाचनासदिने ॥ यीनं नर्कधुल
 चनालीनयाद्वयसंयकवामजं द्याकि ॥ १०० ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद
 विचभाचना ॥ नवनीगधमिष्टुखाद्वद्वर्गनागनी ॥ गेलाकलिनसालूसयदलाकसिद्धीरुदं दत्तावदनीद्वर्गद्वर्गनस्यादनायखाभासं रुद्रधुनावालीनवनीनं लयिने ॥ सुद
 कयजवसंभाद्वर्गनचरद्विने ॥ गेलस्यरागमं कं मूरुस्यद्वीद्वीचसिद्धिदलस्यगद्य ॥ ययधुगमर्दत्तायचनेली ॥ नर्कलं गसर्गं भागमकाखमद्वर्ग ॥ नर्कयकसाविकेभास

आव४

ल्पधयकेगवाजस्यसुवासनाकवर्ककुत्वावर्कनेलाकौ ॥ नर्कानककुलाङ्गिगलाचनयुगलं यालं कुत्वाभावाल ॥ कद्वमनामकभागीकययगिरुगादिकेवायि ॥ वालनिकागर्ल
 संक्लियागिसंयुगगद्यमूरुग ॥ ३ ॥ कोदधलिकायां वजककावादकसार्न ॥ दासकयधसावर्नवठिचसंयुविगा ॥ धुगाकल्लनलिनीदवचलयनं दद्वमनामाखाभागद्य ॥ गेयदीयुव
 मुदिष्टं नावायल्लयगद्वर्गादिय ॥ कार्यनद्वर्गवालांनीमागल्लस्यकनीयसी ॥
 पुकेकावर्दयत्तावत्समसभावेन ॥ नर्कमायद्विष्टा ॥ आवजवाजध्वि
 कृष्णवर्णगृही ॥ दूर्ध्वकोदधलसंयुक्त ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद
 लवालांनी ॥ कवागीसावसाकजिगा ॥ वजनीदावर्णवर्ल ॥ ययसीद्वर्गनीद्वर्गयय ॥
 वालानीसर्वभागनर्ग ॥ द्विवाकाकुरुलवर्सी ॥ यकेकालयल्लयय ॥ कासाकि लाजासिन्धुके ॥ लंद ॥ कोदधलद्विचर्ग ॥ यियलीमविचानाहु ॥ दूर्ध्वसमधुगर्क ॥ वसंनमायुर्लंगत्यदिका
 द्द्विनिवावर्ग ॥ यटीयावामूलाङ्ग ॥ ससकालवलकल्क ॥ १०० ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद
 ॥ ॥ यममासिजागद्य ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद
 दिकरुविद्वययद्या ॥ दसिंलकयय ॥ दद्वर्गल्लिष्टागिसाद्युक्तवायक ॥ यदायजिग ॥ यन
 ॥ वालवर्गद्वर्गद्वर्गल्लिका ॥ ॥ धनकीविल्लधयाक ॥ लोधुन्यववालकेभल्लंद ॥ कोद
 यल्लिष्टाकावलीरुमाकि कसर्पिषा ॥ यद्वर्गदीयनी ॥ रुकिमावर्गादिसकामली ॥ कवागीसायाधुद्य
 द्द्विनिवावर्ग ॥ यटीयावामूलाङ्ग ॥ ससकालवलकल्क ॥ १०० ॥ गिल्लीभागविकित्ताधिकारः ॥ ० ॥ कुर्वन्वचारयावत्काकनर्कक्रोडसर्पिषावर्षयुकाकिजननीलंद

लीलाजयन्तगणसम्यग्गुरुं ॥ १ ॥ द्वितीयदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति नन्दानामगनागनागुलीगमागुल्यथमैरवतिष्ठन्वक्रवृत्तलीलयति गयद्वजयति नल
 गक्रान्ति ॥ सुन्यनगुक्रान्ति ॥ गानकावधरवति ॥ वलिकस्ययवक्रान्ति ॥ यनसंययनगुक्रान्ति ॥ गल्लियुदसंकी गलीत्वा दधिरुतयुनमिष्टिर्गोवैवावर्षकी गन्धगाम्बुलीयान
 यथ्यसकधजावत्वावयदीयादशस्वस्तिका ॥ मत्स्यमाससूनातिलदुर्लभै ॥ य
 यथगुलिवनिमाल्यसिद्धिथिकमाजोवधामउशीववालकद्युर्ध्वयदशागु ॥
 संययनगुक्रान्ति ॥ २ ॥ गनीयदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यननानामगनागना
 वक्रुद्विनीकन ॥ वलिकस्ययवक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ नद्वरयनठरैयम
 सकयदीयासकस्वस्तिका ॥ यकिमाससूना ॥ गगनकचदक्रिगस्यादिलिवरुयथवलिदानगुक्रान्ति ॥ यननिमाल्यगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ न
 मावावलयनमद्वनशसयस्वाहा ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥

१४४

गलीगमागुल्यथमैरवतिष्ठन्वक्रवृत्तलीलयति ॥ सुन्यनगुक्रान्ति ॥ गानकावधरवति ॥ वलिकस्ययवक्रान्ति ॥ यनसंययनगुक्रान्ति ॥ गल्लियुदसंकी गलीत्वा दधिरुतयुनमिष्टिर्गोवैवावर्षकी गन्धगाम्बुलीयान
 यथ्यसकधजावत्वावयदीयादशस्वस्तिका ॥ मत्स्यमाससूना ॥ गगनकचदक्रिगस्यादिलिवरुयथवलिदानगुक्रान्ति ॥ यननिमाल्यगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ न
 मावावलयनमद्वनशसयस्वाहा ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥ चतुर्थदिवसमासवर्षवायदिगुक्रान्ति ॥ यनसम्यग्गुरुं ॥ ३ ॥

१५५

[illegible]

नवकां नस्यामूखे मुखे न सिधुः ॥ यो न यथै गन्धगा मूलं सफया न धजाः सफयदीयाः ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
नक्षो दके न स्यायथ ॥ १॥ सिव निम्ना ल्य सुम्बु लू ॥ गन्धगा मूलं सफया न धजाः सफयदीयाः ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
॥ द्वादश दिवस मासे वर्थ वायदि गृह्णाति च्च कानाममा गृहा ॥ गत्या गृहीत
मूह मूह कायै न कथानि ॥ १॥ च्च गन्धगा मूलं सफया न धजाः सफयदीयाः ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
लिकाः ॥ कलं दके न सव कर्मवेलिंद शान् ॥ १॥ नक्षो दके न स्यायथ ॥ १॥ सिव निम्ना
वाक्कां राजयथ ॥ १॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
यदा ॥ दक्षिण दिशे कस्या ॥ १॥ रुलस्य मूह नायिवा ॥ मूलं न क्षुल वालि ॥ यिव निय ॥ यथै गन्धगा मूलं सफया न धजाः सफयदीयाः ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
दक्षिण दिशे ॥ मा दक्षिणामूलं य ॥ १॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥

१॥ धवल पुनर्बिजठया ॥ नक्षु लज लयी न ग्याय यथै ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
धिष्ट गायुल ॥ १॥ कलिक मूल न स्या न ॥ काल दक्षायि जावनि ॥ १॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
ममू गन्धगा मूलं सफया न धजाः सफयदीयाः ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
समिगा ॥ कोड कक्षु गवि ॥ १॥ लिक्का दामा सय गन् ॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
व ॥ १॥ वजनी सन्धर्व कोड ॥ सैय नैष्ट नमूह म ॥ यान मूलं विभाह्य दिष्ट वि
जिवि ॥ १॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥
वृक्ष ॥ १॥ कोड लू वल्लयदा ॥ १॥ नक्षो वटकाः ॥ नक्षो लिकाः ॥ मत्स्या मां समुनाः ॥ नक्षो दलिकाः ॥ दृष्टं दि ॥ सव लिंद शान् ॥ १॥

यलवयदलकाग्नगयसियचनीययक्षयलायोरुयादलयलान्कलाहिरुलुलिरुलायउतिःयलेवधिकासावलयठनललीयाकाःलिरुलेकलागस्यका
 शिरुलागुद्विनययललीयलायकाथसर्वगययठनायथेकाहलवावर्गखागि।यतियलमवर्तियुर्गयाथकाथनूमादयसययलादीलागयकेदशा
 नःसुसांलवावेधःशुद्धकादलकाकवविकनद्वानिकलेद्वीनगुसमा
 याकारविद्यति।याकार्यद्विरुलागगद्विनयगवावर्गखाने।यतिय
 ननामसुःकयसयाकाधसचसद्विस्मात्सायुधननमःयाकार्यमभसा
 लादिकमागनलोदेशनदनुसावगीशका।चतुवादिकमकार्कलकाव
 दलजातिकार्यलाकक्षाकलकलवललवक्षनो।सिगद्विजुजावथावयिद्विचययसमानिस्सुः।लिरुलायिकद्विलक्षनियगानागार्थसायथयद्वि।कालायस
 दायेकनकातिरुलालवंगकानस्य।कयकासुनूयसर्वथा नस्यवेकाये।कानकामकमर्कनिलयमयद्वननित्ययसधिरुलुयद्वुर्गमाईशयथयद्वि
 विरुल।

॥यदिशेयजुहयिद्विस्सुःकाकैत्वम्वानम्वीथयिद्विस्सुःना।कयसासाम्यसंखाहयाइत्यचनहयाइत्यर्त्तनवधत्वर्त्तसावाउतत्वथिगोयधस्यवाधन।सर्वगवविध
 यस्तुनत्वथिगोयधस्यदशाविस्साधुसाधनयलमानलविधिशा०॥कानादिलाहमावलविधनसर्वयम्वानगावगयस्यद्वगयल्लुद्वयकृत्तस्यलुतदिवस।
 समुद्वगभवकलालिगनतिरुलागलवसमयशुवदिकविधिनावकि
 यातद्विजायसकागिरुलुसुर्गलनसंगायाकमकार्कयसादनियुगमदि
 गिरिकल्लिकातिसेकावेधकलिकल्लुद्विदमूलकलगावनीकलगाजार्थ
 ॥सम्यकविचजललाविगनिर्मिलोमलननयलिनकाह्यशुशुलाधावि
 राजकिर्षुस्वच्छासुयुनया।उद्यानवसंयागल्लासकिर्गजानिमूर्कनि।उद्यानवसल्लवर्गवर्गयुनय्या।संदलनगुलीत्वाकयकलिगामिमयनीय।गलयनियथा।
 यथमग्नयवमद्ववर्गयनियुनगलनिरुगीर्दमूर्खाकललखलिरुलाजलनिक्रिया।निद्वययदलवर्गलिरुलासुनकञ्च।यल्लाह नमूर्गनत्यनवयियकृत्तमूर्कल्लाह

यलिमार्ग १०० द मायायक मिदमगियिह न दिवभवकाकि वलज न न न १ सु-धमि नृ कृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 येक वरु क कृत्व १ का सु म था द्र ख ल क नृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 द म नृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 त्वायिष्ठ निवाय र सु-धमि नृ कृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 धि ॥ ० ॥ नानाविध नृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 धिकीर्य मि य नृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 य १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 ॥ ० ॥ नमः १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा

कान्क काम कम मर्ल स गित नृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 यान व ग नाध १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 यू १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 रु ग मे १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 आ १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 न वा १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 स का १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा
 क्रि य १०० द म मिह दृ-क्षेय न मधिकाधिक माकिर्य ॥ धृति या कविधि ॥ ० ॥ कृ-आरुड कमरु क व न र्वकाखा

मसयनेसखेनाचकृगनवादीवेममिष्टवामयाधनभसकाशुदक्षिलसक्रियसायवगगयनेवलिंसयकवकुत्वादकि (५) नावयतिर्न। कथस्यनर्तययगसि
 सिगमखगुउउउसुवकेवदनवडदलमकसयनययववैयिगगडगविलखिग। नातिवगनवामन्दसकदेषुयीउयगसावसययकवीगवायसख
 निरुयिग। निरुदयनविधिवयमवसमीविगभगभयलिदिगसेरुउ
 लि॥ किवाकनगयवगाठयवकुलयाभनजीसीत्वायान्भने॥ भने॥
 धमन्यवाक। स्वासीक्षयनवामसासीदावाविगवगभायाकुशीर्धनिवृ
 गगियामससमगनृवासिगभावाधदमागयायागडाचुछीजल
 कावजायनगगडावागदयिस्वरुयथागडनदुयगि। कुयादसिखुभासयिजीरुसुत्यसुभासवगयस्यनायदवैकयान्सरुवकिवनि॥ गभसवात्थावावृग
 योकादयथासविजानना। मनायानसकावागसरुसायदवैरवगसरुवकावनायागनाच॥ सरोविधीयग॥ गगुडसमलोमिगुसरोननियदायनभगद

३२

इंसदनाधनधूलससधजायनयकायुत्रवैरगगदशानिचुलर्गगात्रीगीयोयवेवसिद्धवायानुवासन॥ सरुवकिविधयसुनाविगुडस्यददिन॥ सरुवी
 यनथादरुसरोनानुविसयगि। गगुडमयिवागनकवलनानियीतिर्न। मरुनागस्यकालयसर्वसवानुवासयग॥ मनुवासयगृगीयकिदि। यक्षमवायनधम
 यथावासरुयकि॥ दगायसुलमागुगान॥ वायामनित्यादीफायि। कर्क
 कसि। सुसरुनीयन॥ विष्टद्वानिलविष्टगु॥ सरोक्षमीनूवासन। दादक
 लिहकरुकरु॥ निरुहाइवनादुर्य। मनासुयायलिधया। नाचुया।
 कदादवै। करिअन्दरुर्गसुल। किमिकायासुमागुगधयीगगवविध
 वमीवान्। सैगुडादरुनावन॥ ससकाशयसका॥ दिध्याधनात्यवक्रयधधूलयायुकादावावडद्विदकादवी। कवीचमधुमदीचमासानसकवगदिधीन
 येकाकननिदिष्ट। गुगलीनिवीशदधभरवत्तदाचित्कायायि। विरुडासिमगाविया॥ द्दिहडागसुभासवमनसुचिकिस्मिग॥ मरुवेयायनिदिष्ट। कृमिभावसि

वसिः

धुमेधर्वचं ॥ नाना नृका चयिदा ययनि वृद्धा गम दाना लंके ॥ लवर्ष कारिके दशा गुरु लभ क लुभा दर्न ॥ वाग रुके सि गयि लं करु सिर्जा र्थ काय यथा ॥ से न्ध वा के समा
 दाय ग ता द्वा के न्धे व ॥ १ ॥ गमू ग सय ला न्धो ॥ मृती क का या य ल द र्य ॥ २ ॥ उ त्थ द य ल य व स र्व मा ला श य न न ॥ व सु यू र्ग स र्वा य व व सि द या वि च रु ल ॥ ३ ॥ ल
 वि द्य ग मा ना र्क मृ र्ग व दान र्ष ॥ कि म् द व ल गु ल्पा दि न स धा रु च्या वि
 य ले ल य गा व सि ॥ ४ ॥ ला ना दो म वा ग रु ॥ ५ ॥ व न व ल श व व सि ॥ ६ ॥ गु ल्पा यि य द
 व सि द्वा ॥ ७ ॥ सि द्वा ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

द्वद वा म म् ॥ यति म र्म रु थ र्थ दृग् ॥ नि ग रु रु द्वा वा ना र्क स्र या ध न म व न सा ॥ लि वा रु ऊ न ग रु य स्र वा वा ऊ व र्च सा ॥ द न का व स्र दा स य था श्वा क सो डि वि च्च क ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

कृते च नीमगा ॥ काशयुच काशघ्नी ॥ वामने वामनीमगा ॥ याज्ञानयित् वक्रार्ति ॥ विविक्ताद वमद्विष् ॥ निमित्ताङ्गानिलाध्यान ॥ बाहिलीद नवक्रिय ॥ मत्स्यमशुदधिकान ॥ कोड ॥
 स्रु विमालिम् ॥ शिवस्य विरुनया ॥ बागजागवर्गनिलि ॥ वक्रयिक्ताङ्गवाधिर्य ॥ वृद्धुर्मदमाह ॥ धुमाङ्कालङ्गनियोगा ॥ नगशीगाविनिर्दिग् ॥ नतद्रुमविधा ॥ कुलम
 मशस्यकामिर्ग ॥ ॥ ॥ निनस्यधुमेविकित्साधिकाव ॥ ० ॥ त्रिअके
 यस्वाङ्गिके ॥ कवना ॥ यायत्सर्वे ॥ सूर्यसंवायनया ॥ मागसाकवलम
 यूनवा ॥ यिदान ॥ सुधा ॥ कौड ॥ युगादिलि ॥ आधनयययसुवि ॥ वेमशिव
 धनर्ष ॥ आद्यासमास्यर्ष ॥ नस्य ॥ मलदोग ॥ नासर्ष ॥ नदीवर्ष ॥ वर्षशीर्ष ॥ मुख
 धनर्ष ॥ ॥ ॥ निनकवलग ॥ वक्रयिक्ताधिकाव ॥ ० ॥ सर्वजामकि ॥ मागरी ॥ मादाव ॥ अगर्ष ॥ नक्रोदक ॥ सुयमो ॥ दाह ॥ बाग ॥ निवर्ष ॥ उर्ष ॥ वाग ॥ कर्ष ॥ वाग
 नदीर्ष ॥ वक्रयिक्ता ॥ निदान ॥ सुस्य ॥ वामन ॥ यातिना ॥ नीत्य ॥ लोचन ॥ ॥ ॥ काय ॥ बल ॥ माया ॥ नन ॥ यिच ॥ वया ॥ कनी ॥ निक ॥ दस ॥ दस ॥ वावि ॥ नू ॥ द्यु ॥ लो ॥ दव ॥ सच ॥ य ॥ न ॥ न ॥ ध्य ॥ स ॥ अ ॥ म ॥ द

कल्याणमस्तु ॥ श्री ॐ श्री ॥ कृपादिविद्यैर्यन्त्रैः कमलकथायुगाभ्यामनियम्यज्ञानं सिद्धिं प्राप्तिनाम्नाम् ॥ ॥ दशकालवयावर्द्धि सात्त्विककृतिरेवार्ज्यं यदसत्त्वं
 वलं व्याधौ दृष्ट्वा कर्मसमावयन् ॥ ॥ आयुर्वेदसमं मृदुस्य गृहार्थमनिसं चैव यथाज्ञानं कविद्वैतं सुकृपाविविधसं हिता ॥ ॥ कविद्वैतं कविमिर्गुणं
 विद्वर्मं कविद्वैतं सधकर्मस्य सीद्धविश्वं विकित्तानेव निरुक्तं ॥ १ ॥
 श्रीरामजभाषधममासगर्गुरुवनिवदना ॥ चन्दनचान्तलवधमधुगुणक
 नित ॥ १ ॥ द्वितीयमासगर्गुरुवनिवदना ॥ नीलाचलसालुर्क ॥ १ ॥
 लयातिन ॥ २ ॥ तृतीयमासगर्गुरुवनिवदना ॥ काकालीयष्टिमधुलाड
 लयनसुख ॥ ३ ॥ चतुर्थमासगर्गुरुवनिवदना ॥ नीलाचलसालुर्क यष्टिमधुसलाधक ॥ ४ ॥
 विद्वन् ॥ ५ ॥ पञ्चममासगर्गुरुवनिवदना ॥ लवंगविषं तं कर्कशं न युक्तं ॥ ६ ॥
 अत्रात्रात्रकं ज्ञातिवदामु ॥ ७ ॥ कर्मस्यैव हि कर्मणि कर्मणि ॥ ८ ॥

१ गंधयुक्तं १००	२ दशमूलकान १००	३ साधक ३२	४ विद्यल्लि ५	५ कर्कशासि ३	६ मनथि ३	७ युधमयाक ॥	८ कृष्ण ३
१ सचलखान १००	१ निम्ब १००	१ साइड १५५	१ छि ५	१ वहा ३	१ रघुगन्ध ३	१ सवर्ह ३	१ मधुविस्त्रान ३
१ रघुगन्ध १००	१ कलिल १००	१ धनि ५०	१ मनच ५	१ काथयथ ३	१ युन्दन ३	१ धदियालहा ३	१ उठासात ३
१ वयावचाल १००	१ श्रीलक्ष्मिक ५०	१ धनि ५०	१ नकुचन्दन ३	१ गलिय ३	१ दशमूलकान ३	१ सिन्धु ३	१ रवदानक ३
१ रघुगन्ध १००	१ लोहा ५०	१ वसति ५	१ रुक्म ३	१ कस्तुरि ३	१ रुक्म ३	१ थकादा ३	१ रक्षा ३
१ रघुगन्ध १००	१ लोहा ५०	१ धालसलाय ३००	१ विरुक् ३	१ सानयली ३	१ वसाउरन ३	१ गथवन ३	१ विरहा ३
१ युनन्दन १००	१ लोहा १००	१ लोख २०० काथय	१ र्वल ३	१ रघुयली ३	१ यनसहा ३	१ नकि ३	१ कल्याण ३
१ कर्मकी १००	१ धुनकाथ	१ मनथि ५०	१ थसिकव ३	१ रघुयली ३	१ रघुयली ३	१ सलास ३	१ कयलिनि ३
		१ कामलजकन १५	१ रघुयली ३	१ रघुयली ३	१ रघुयली ३	१ रघुयली ३	१ रघुयली ३

१ शुक शान ३ २ मदनरुल ३
 १ ३ १ साशजिन ३
 २ ३ १ सुमान ३
 १ नकि ३ १ मविखान प्र ३
 लं वं वाच ३ १ क्षीतीययाक ॥
 १ गभखान ३ १ लं वं वं वाच कर्म १
 १ इइकोन स ३ १ यातक १
 १ कनैज ३ १ जातिकान १
 १ वं यत्ना ३ १ कृष्ण १

१ मधक सुवि १
 १ थला प्र २५
 १ कठ प्र १२५
 १ लख रु २५
 १ वृतीययाक ॥
 १ वृयक प्र ३
 १ कठ प्र ३
 १ लं वं वाच ३
 १ यिच प्र ३

१ लाख न्द ३
 १ रुं न क क म ३
 १ मधक सुवि ३
 १ मधयात ३
 १ क सुवि ३
 १ ल वं ३
 १ रुं रु ३
 १ क काला ३
 १ जातिकान ३

१ कवन वस क व ३
 १ वला ३
 १ ल वं ३
 १ क युन ३
 १ व रुथ याक ॥
 १ माका ना ज ग धया सा भा गेल ॥

१११



